संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
15 सितंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 82
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पंचकूला भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में लिया भाग

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

राहुल गांधी सोमवार को अमृतसर और गुरदासपुर का करेंगे दौरा, बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलेंगे

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि एक दिवसीय दौरे के दौरान गांधी अमृतसर और गुरदासपुर जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी राज्य की अपनी यात्रा के दौरान बाढ़ प्रभावित परिवारों से भी मिलेंगे। पंजाब 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब को दशकों में अपनी सबसे भीषण बाढ़ आपदाओं में से एक का सामना करना पड़ा।

यह बाढ़ सतलुज, व्यास और रावी नदियों के उफान के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण मौसमी नालों में उफान का नतीजा थी। इसके अलावा पंजाब में भारी बारिश के कारण भी बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई है।

बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या वर्तमान में 56 है। 1.98 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 सितंबर को अपनी यात्रा के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पंजाब में बाढ़ की स्थिति व नुकसान की समीक्षा की थी।

डोनाल्ड ट्रंप का नया आदेश जारी, विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका में एंट्री बंद

नई दिल्ली- अफगानिस्तान में लड़कियों के कॉलेज जाने पर तालिबान की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बहारा सागरी नाम की युवती ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया। बहारा (21) ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उसे इलिनॉय के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने का प्रस्ताव मिला।

बहारा इस साल अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में थीं लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध के कारण उनका सपना एक बार फिर पूरा नहीं हो पाया। बहारा ने कहा, "आपको लगता है कि आखिरकार आप अपने सपने की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया हो।" ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और इन प्रतिबंधों से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ऐसे भी हैं जो अमेरिका आने के लिए काफी समय और पैसा लगाने के बाद अब खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं।

कुछ विदेशी छात्र इस साल कॉलेजों में प्रवेश के प्रस्ताव मिलने के बावजूद नहीं आ पा रहे हैं क्योंकि वीजा प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त जांच-पड़ताल होने के कारण वीजा मिलने में देरी हो रही है। प्रशासन द्वारा व्यापक आव्रजन कार्रवाई और कुछ विद्यार्थियों का 'लीगल स्टेट्स' अचानक समाप्त किये जाने के कारण अन्य छात्र अमेरिका आने को लेकर पुनर्विचार कर रहे हैं। यात्रा प्रतिबंधों का सबसे ज्यादा खामियाजा विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है।

पिछले साल विदेश विभाग ने मई से सितंबर के बीच यात्रा प्रतिबंधों से प्रभावित 19 देशों के लोगों को 5,700 से ज्यादा एफ-1 और जे-1 वीजा जारी किए थे। इनका इस्तेमाल विदेशी छात्र और शोधकर्ता करते हैं। स्वीकृत वीजा में से आधे से ज्यादा ईरान और म्यांमा के नागरिकों को जारी किए गए थे। अफ्रीका, एशिया, पश्चिमी एशिया और कैरिबियाई क्षेत्रों के 12 देशों के नागरिकों पर पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लगाये गये हैं।

जालंधर में बेकाबू क्रेटा ने मारी फार्च्यूनर को टक्कर, पूर्व MP मोहिंदर केपी के बेटे की मौत

जालंधर- शिरोमणि अकाली दल (SAD) के नेता और दो बार सांसद रह चुके मोहिंदर सिंह केपी के बेटे ऋचि केपी की कल रात जालंधर में एक दर्दनाक हादसे में मौत हो गई।

36 वर्षीय ऋचि केपी मोहिंदर केपी के इकलौते बेटे थे। ऋचि की कार को माता रानी चौक के पास एक तेज़ रफ्तार क्रेटा कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल ऋचि को दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा रात 11 बजे के बाद हुआ। एक तेज़ रफ्तार क्रेटा कार ने माता रानी चौक पर तीन गाड़ियों को टक्कर मारी, जिनमें ऋचि की फॉर्च्यूनर भी शामिल थी। टक्कर के बाद क्रेटा चालक मौके से फरार हो गया। क्रेटा ने एक टैक्सी और एक ग्रैंड विटारा को भी टक्कर मारी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ियां पास की एक दुकान की रेलिंग और सीढ़ियों से टकरा गईं, जिससे रेलिंग और सीढ़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। कारों के एयरबैग खुल गए, जिसमें ऋचि की फॉर्च्यूनर भी शामिल थी। ऋचि की गाड़ी का बोनट और एक साइड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसा जालंधर के पॉश मॉडल टाउन इलाके में हुआ, जहां केपी का निवास भी पास में ही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ऋचि किसी दोस्त को मोबाइल फोन लौटाने निकले थे। थाना नंबर 6 की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थाना नंबर 6 के एसएचओ ने कहा, "हादसा रात 11 से 11:30 बजे के बीच हुआ।

असम को विकसित कर बनाएंगे देश के विकास का आधार : मोदी

नुमालीगढ़ (असम) - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि असम का विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है और राज्य में सेमीकंडक्टर संयंत्र, बायोएथेनॉल तथा ईंधन संयंत्रों के जरिये असम को देश के विकास का आधार बनाया जाएगा।

श्री मोदी ने पूर्वोत्तर के दो दिन के दौरे के आखिर दिन रविवार के यहां रिफाइनरी संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आज के दिन को असम के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि असम को आज हजारों करोड़ करोड रुपए की परियोजनाएं दी गई हैं। असम में जहां प्लास्टिक के समान को आधुनिक तरीके से तैयार करने के लिए पोलीप्रोपाईलीन संयंत्र दिया गया है वही बायोएथानाल तथा रिफाइनरी को आधुनिक बनाने के संयंत्र दिए गए हैं। उनका कहना था की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज की दुनिया के लिए अत्यंत अहम 'सेमीकंडक्टर' निर्माण के क्षेत्र में असम को विकास के आधार का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'विकसित भारत की यात्रा के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि आज असम को असज करीब 18000 करोड रुपए की परियोजनाएं मिली है। ये प्रयास विकसित असम का रास्ता और मजबूत करेंगे, असम से भारत का ऊर्जा सामर्थ्य बढ़ेगा और देश के विकास को गति मिलेगी। असम को भाजपा सरकार नयी बुलंदी तक पहुंचने का काम कर रही है और इससे असम के विकास को गति मिलेगी तथा युवाओं व किसानों के लिए नए अवसर मिलेंगे।'

श्री मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत तेजी से विकसित हो रहा है उसके लिए गैस, बिजली, ईंधन की जरूरत बढ़ेगी। अब तक हम गैस तथा कच्चा तेल आयात करते हैं और लाखों करोड़ों रुपए इसमें खर्च किए जाते हैं। हमारे पैसे से विदेश में रोजगार के अवसर बनते हैं लेकिन अब स्थिति में बदलाव आना चाहिए। हम अब ईंधन क्षेत्र में और स्वच्छ ऊर्जा के लिए अपने सामर्थ्य को नई दिशा दे रहे हैं। हमारे समुद्री क्षेत्र में विशेषज्ञों के अनुसार ईंधन का भंडार है उसके दोहन लिए हम तेजी से कदम उठा रहे हैं। सौर ऊर्जा के मामले में हम तेजी से आगे बड़े हैं और

हम दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि असम में जो बायोएथनॉल संयंत्र लगाया गया है उससे यहां किसानों को फायदा होगा और किसानों को खेती करने में मदद मिलेगी। उनका कहना था कि असम में हर साल 200 करोड रुपए किसानों के हित में खर्च किये जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी हमला करते हुए कहा कि उनकी (कांग्रेस की) सरकार बांस काटने पर लोगों को जेल भेजती थी जबकि यह हमारे जीवन का हिस्सा है। बांस काटने पर प्रतिबंध नहीं लगना चाहिए और इसी विचार से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बांस काटने पर प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने असम को हिंसा दी, विवाद दिया जबकि भाजपा असम को समृद्ध बना रही है। उनकी सरकार ने असम की भाषा असमिया को क्लासिकल भाषा के दर्जे में शामिल किया गया है। कांग्रेस ने असम के लोगों को सम्मान कभी नहीं दिया और असम की महान विभूतियां के नाम पर कभी काम नहीं किया, उन्हें नजरअंदाज करते रहे लेकिन भाजपा सरकार ने असम में यहां की महान हस्तियां को स्मरण करते हुए उनके नाम को आगे बढ़ाने के लिए बड़े बड़े काम किए है।

श्री मोदी ने कहा कि असम की कई जातियों को आदिवासी या जनजाति समुदाय का दर्जा दिया गया है। कांग्रेस का काम 'तुष्टिकरण' का रहा है क्योंकि उसके बल पर वह सरकार बनाती रही है इसलिए उसने किसी क्षेत्र के विकास को कभी महत्व नहीं दिया। गरीबों के लिए कभी काम नहीं किया लेकिन भाजपा गरीबों को घर दे रही है और उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है। महिलाओं के स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान है। कांग्रेस सरकारों ने चाय बागान श्रमिकों को उनकी हालत पर छोड़ दिया था लेकिन भाजपा सरकार ने उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया है।

उन्होंने कामाख्या मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि माता कामाख्या के मंदिर में 'कॉरिडोर' विकसित किया जा रहा है।

मोदी की असम से स्वदेशी की अपील, घुसपैठ पर कांग्रेस को घेरा

दारांग, असम- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका और दुनिया के अन्य हिस्सों में बाजार संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच रविवार को एक बार फिर देशवासियों से स्वदेशी और स्थायीय सामानों की खरीद-फरोख्त को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने देश में ,खास कर सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ से उत्पन्न खतरों के प्रति लोगों को आगाह करते हुए स्पष्ट घोषणा की कि उनकी सरकार घुसपैठियों को देश के संसाधनों और जमीन पर कब्जा नहीं करने देगी। वह दारांग में एक नये मेडिकल कालेज, हॉस्पिटल और नसिंग कालेज के नये परिसर,गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र पर नये पुल और गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना का ऑनलाइन तरीके से शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि करीब 6500 करोड़ रुपये लागत वाली इन परियोजनाओं का निर्माण पूर्वोत्तर और असम को आर्थिक वृद्धि के नये इंजन के रूप में विकसित करने के उनकी सरकार के संकल्प के तहत किया जा रहा है।

शाह की अध्यक्षता में 'पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का उद्घाटन

गांधीनगर- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 'हिंदी दिवस-2025' के अवसर पर 'पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ।

श्री शाह ने समारोह के शुभारंभ अवसर पर हिंदी भाषा प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है। पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था। इसमें कुछ बदलाव किए गए और पिछले पांच वर्षों से यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप हमें राजभाषा और देश की सभी भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाने का बहुत ही अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात में प्रारंभ से ही दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल मुंशी और उमाशंकर जोशी सहित अन्य कई विद्वानों ने हिंदी भाषा को स्वीकार किया और इसका प्रचार भी किया। इन दूरदर्शी नेताओं ने भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के साथ संवाद करने और प्रत्येक राज्य में हिंदी को प्रोत्साहन देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि गुजरात में गुजराती और हिंदी का सह-अस्तित्व रहा है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर गुजराती बच्चों की पहुंच बहुत अधिक बढ़ गई है। दिल्ली से बाहर यह पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यह सम्मेलन भाषा प्रेमियों को नई दृष्टि, ऊर्जा और प्रेरणा देता है। आज इस सम्मेलन में कई प्रकाशनों का लोकार्पण हुआ है, जो भाषा के प्रति हमारे प्रेम और शैलियों में भाषा के उपयोग को बढ़ावा देती है। हिंदी बोलचाल और प्रशासन के साथ-साथ विज्ञान, तकनीक और न्याय की भाषा भी होनी चाहिए।

श्री शाह ने 'सारथी' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक अनुवाद प्रणाली है, जिसके माध्यम से हिंदी भाषा से भारत की सभी मान्य भाषाओं में सरलता से अनुवाद किया जा सकता है। इस अनुवाद प्रणाली में ऐसी व्यवस्था की गई है कि इसके माध्यम से देश के किसी भी राज्य से किए गए पत्राचार का प्रत्युत्तर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उनकी स्थानीय भाषा में दिया जा सकता है।

जींद पुलिस की टीम पर हरिद्वार में फायरिंग के आरोपी ने खुद को मारी गोली, मौत

जींद: उत्तराखंड के हरिद्वार में शनिवार शाम जींद सीआईए स्टाफ के सब- इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार को गोली मार गंभीर रूप से घायल करने के आरोपी जींद निवासी सुनील कपूर ने रविवार को देहरादून में खुद को गोली मर आत्महत्या कर ली।

सीआईए जींद की पुलिस टीम पर फायरिंग कर एसआई सुरेंद्र कुमार को घायल करने के बाद आरोपी सुनील कपूर मौके से फरार हो गया था। इस वारदात के बाद जींद पुलिस के साथ-साथ उत्तराखंड पुलिस भी सुनील कपूर की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। पुलिस से छिपते सुनील कपूर हरिद्वार से किसी तरह देहरादून पहुंच गया। सुनील कपूर ने रविवार को खुद को गोली मार ली।

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जींद के एसपी कुलदीप सिंह ने सुनील कपूर के खुद को गोली मार सुसाइड कर लेने की पुष्टि करते हुए कहा कि सुनील कपूर ने जिस समय खुद को गोली से उड़ाया, उस समय उसके रिश्तेदार भी उसके पास थे।

जींद के पूर्व एसपी सुमित कुमार के मामले में था फरार

जींद निवाड़ी सुनील कपूर खुद को आरटीआई एक्टिविस्ट बताता था। वह जींद के पूर्व एसपी सुमित कुमार पर यौन शोषण के आरोपों की चिट्ठी वायरल मामले में कई महीने से फरार चल रहा था। लाख प्रयासों के बावजूद जींद पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी। शनिवार को सुनील कपूर को पकड़ने उत्तराखंड के हरिद्वार गई जींद सीआईए स्टाफ पुलिस टीम पर सुनील कपूर ने फायरिंग कर दी थी।

इसमें एसआई सुरेंद्र कुमार गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हुए। घायल एसआई सुरेंद्र कुमार को ऋषिकेश एम्स में भर्ती किया गया है। आरोपी सुनील कपूर फायरिंग के बाद फरार हो गया था।

राजनाथ ने बड़े रक्षा सुधार के तहत नयी रक्षा खरीद नियमावली को मंजूरी दी

नयी दिल्ली - रक्षा मंत्रालय ने सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल, सक्षम और युक्तिसंगत बनाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने नयी नियमावली को मंजूरी दे दी है। बजट अनुमान 2025 में राजस्व खरीद का बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये है।

नयी नियमावली रक्षा क्षेत्र मेंआत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए सेनाओं के लिए राजस्व खरीद में तेजी लाएगी, स्टार्टअप और एमएसएमई सहित

भारतीय उद्योग को सरल प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाने के साथ साथ नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावादेगी।इसमें सहायक वित्तपोषण विकल्प और अनावश्यक दंड में ढील देकर उद्योगों के सामने आने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं को कम किया गया है। नयी नियमावली से उद्योग, शिक्षा जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अनुसंधान और विकास को कई सक्षम प्रावधानों के साथ बढ़ावा मिलेगा। इसमें रक्षा राजस्व खरीद और उद्योग के लिए समान अवसर प्रदान करने से संबंधित विशिष्ट चिंताओं का समाधान किया गया है।

प्रदेश में मानसूनी कहर से अब भी तीन एनएच समेत 558 सड़कों पर यातायात बंद

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश को बरसात से अब तक 4467 करोड़ 78 लाख रुपए का नुकसान पहुंचा है। हालांकि भारी बारिश का दौर अब थमता हुआ दिख रहा है, मगर फिर भी यहां शनिवार सुबह बादल फटने की एक घटना श्रीनयनादेवीजी क्षेत्र में सामने आई है।

इसके साथ प्रदेश की 558 सड़कों सहित तीन नेशनल हाई-वे पर वाहनों की आवाजाही बंद है। एनएच नंबर-03, 503, व 305 बंद पड़े बताए जा रहे हैं। सड़कों की बंद होने की स्थिति पर बात करें, तो बिलासपुर में 17 सड़कें बंद पड़ी हुई हैं, वहीं चंबा में 38 सड़कें, हमीरपुर में 8, कांगड़ा में 45, किन्नौर में दो, कुल्लू में दो एनएच समेत 170 सड़कें, मंडी में 159, शिमला में 58, सिरमौर में 21, सोलन में 18, ऊना में एक एनएच के साथ 22 सड़कें बाधित बताई जा रही हैं। प्रदेश में शनिवार शाम तक 237 बिजली ट्रांसफार्मर बंद पड़े थे। वहीं पानी की 333 स्कीमों में पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही। इस बरसात में बिजली बोर्ड को भी काफी ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। जल शक्ति विभाग को भी बड़ा नुकसान बरसात में हुआ है, करोड़ों रुपए की स्कीमें पानी में बह गईं और मशीनरी खराब हो गई है।

394 लोग बने आपदा का ग्रास

राज्य में 394 लोग इस आपदा का ग्रास बन चुके हैं। वहीं 455 लोग इसमें घायल हुए और 41 लोग अभी भी लापता हैं। बिलासपुर में 19 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चंबा में 45, हमीरपुर में 16, कांगड़ा में 55, किन्नौर में 29, कुल्लू में 44 लोग जान गंवा चुके हैं।

17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक देशभर में चलेगा स्वच्छता ही सेवा अभियान: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

हिन्द जनपथ

करनाल (ब्यूरो)। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल में स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय कर्ण कमल में सेवा पखवाड़े को लेकर बैठक ली। इसके उपरांत उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आगामी 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक देशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान उनके विभाग अर्बन डेवलेपमेंट की ओर से स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत शहरों की साफ-सफाई करवाई जाएगी व कुछ जगहों का जिम्मा स्वयं विधायक व जनप्रतिनिधि भी लेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्मदिन है। इसके साथ-साथ 2 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का भी जन्मदिन आता है। इस दौरान 17 सितंबर से 2 अक्तूबर, 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस पखवाड़े में बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम जिला स्तर पर, विधानसभा स्तर पर और गांव स्तर पर आयोजित होंगे। इस संबंध में आज बैठक ली और आवश्यक रूपरेखा तैयार की है।

15 दिन में 17 तरह के कार्यक्रम होंगे आयोजित

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सेवा पखवाड़े की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। 15 दिन में 17 अलग-अलग तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें रक्तदान शिविर, एक पेड़ मां के नाम, प्रबुद्धजनों की बैठक, जीएसटी पर व्यवसायियों का सम्मेलन, साहित्व वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बीच में कई बड़े त्यौहार भी आ रहे हैं। ऐसे में हम सभी त्यौहारों के साथ-साथ इस सेवा पखवाड़े में भी हिस्सा लें।

- सेवा पखवाड़े के 15 दिनों में होंगे 17 तरह के कार्यक्रम आयोजित
- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल बोले- जिला स्तर , विधानसभा स्तर और गांव स्तर पर होंगे कार्यक्रम

बाढ़ग्रस्त इलाकों में होगी मदद, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि देशभर के अलग-अलग प्रांतों में बाढ़ आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कुछ राज्यों का दौरा किया है। बाढ़ का नुकसान हरियाणा में भी हुआ है। जहां-जहां नुकसान हुआ है वहां मदद की जाएगी। इसकी घोषणा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर चुके हैं। हर वर्ष मदद की जाती है जबकि दूसरे प्रांतों से ज्यादा की जाती है। इस बार भी प्रदेश की योजनाओं से किसानों व अन्य प्रभावित लोगों की मदद की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना-2 में बनेंगे 3 करोड़ मकान

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का पहला चरण 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है। केवल 6 प्रतिशत काम ही बचा है। पिछले वर्ष इस योजना का दूसरा चरण भी शुरू हुआ है। इसके अंतर्गत देशभर में 3 करोड़ मकान बनाए जाने हैं। इसमें 1 करोड़ मकान शहरी क्षेत्र में जबकि 2 करोड़ मकान ग्रामीण क्षेत्र में बनाए जाने हैं।

आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भारत-पाकिस्तान के मैच के संदर्भ में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पहलगांव हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। यह एक बड़ा एक्शन था। आज भी भारत ने चेतावनी दे रखी है कि आतंकवाद और आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। रही बात खेल की तो इसका एक सिस्टम है। खेल दुबई में हो रहे हैं। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, चीफ व्हीप एवं इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि कविंद्र राणा,जिला महामंत्री सुभाष कश्यप, मानवपुरी पूर्व चेयरमैन इलम सिंह, आईटी सेल की डा. पूनम पांचाल व अन्य वरिष्ठजन मौजूद रहे।

राज्यपाल ने डलहौजी में आपदा प्रभावित लोगों को वितरित की खाद्य एवं राहत सामग्री

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज ज़िला चम्बा के उप-मंडल डलहौज़ी के तहत बनीखेत नगर पंचायत के सभागार में आपदा प्रभावित लोगों को खाद्य एवं राहत सामग्री वितरित की। राज्यपाल ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विगत कुछ वर्षों से हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज़ से संवेदनशील हो रहा है। शिव प्रताप शुक्ल ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्ष 2023 के बाद से प्रदेश में आपदाओं की आवृत्ति बढ़ी है। इससे न केवल जन-धन की हानि हुई है बल्कि विकास कार्य भी प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए राज्य सरकार को 1500 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित जिलों का दौरा करने के पश्चात केंद्रीय मंत्रियों तथा अंतर मंत्रालय केंद्रीय दल द्वारा किए गए आकलन के आधार पर प्रदेश को अतिरिक्त राहत राशि देने का आश्वासन भी प्रधानमंत्री ने दिया है। श्री शुक्ल ने प्रदेश को खाद्य एवं राहत सामग्री भेजने के लिए केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र में परिस्थितियों के लिहाज से अतिरिक्त खाद्य एवं राहत सामग्री की मांग के दृष्टिगत जनप्रतिनिधियों को सचिव राज्यपाल एवं राज्य रेडक्रॉस तथा उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस के कार्यालय में सूची प्रेषित करने को कहा। राज्यपाल ने आपदा के दौरान प्रदेशवासियों के मनोबल और साहस की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लोगों ने धैर्य, साहस और एकजुटता से विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिला में आगामी दो-तीन माह की समयावधि में सभी व्यवस्थाएं सामान्य होंगी।उन्होंने इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर विधायक विपिन परमार, डॉ. हंसराज तथा डीएस ठाकुर ने भी अपने विचार साझा किए। राज्यपाल ने इस दौरान विभिन्न आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी किया।उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय उच्च मार्ग 154-ए के विभिन्न आपदाग्रस्त स्थलों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बनीखेत कस्बे के समीप क्षतिग्रस्त क्षेत्र, ककियांणा गांव और चौहड़ा के समीप आपदा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पूर्व विधायक बिक्रम जरयाल, पवन नैय्यर, भाजपा के जिला अध्यक्ष धीरज नरयाल, राज्यपाल के सचिव सीपी वर्मा, उपायुक्त मुकेश रेपसवाल, पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव एसडीएम अनिल भारद्वाज सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहें।

फर्जी संगठन पर योगासन संघ का प्रहार - खिलाड़ियों की सुरक्षा हेतु सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग

शिमला/कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से कड़े शब्दों में मांग की है कि कांगड़ा में 13-14 सितम्बर को आयोजित की जाने वाली फर्जी योगा चैम्पियनशिप को तुरंत निरस्त किया जाए तथा दोषी तत्वों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। संघ ने कहा कि यह केवल संगठनात्मक धोखाधड़ी का मामला नहीं है बल्कि सीधे तौर पर खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। यदि सरकार और प्रशासन समय रहते संज्ञान नहीं लेते हैं तो इससे योगासन खेल की साख को गहरा आघात पहुँचेगा। संघ ने माननीय आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री श्री यादविन्दर गोम्मा जी को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि हिमाचल योगा एसोसिएशन नामक संगठन बिना किसी वैध पंजीकरण और मान्यता के प्रदेशभर में सक्रिय है। यह संगठन स्वयं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से जुड़ा बताकर भोले-भाले खिलाड़ियों से फीस वसूलता है और उन्हें ऐसे प्रमाण पत्र जारी करता है जिनकी कोई आधिकारिक मान्यता नहीं होती। खिलाड़ियों और उनके परिवारों को इस भ्रम में रखा जा रहा है कि ये सर्टिफिकेट उनके भविष्य को संवारेंगे जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है।

संयुक्त सचिव श्री विनोद कुमार ने स्पष्ट किया कि यह संगठन हिमाचल प्रदेश सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट, 2006 के अंतर्गत पंजीकृत नहीं है। न ही इसे हिमाचल प्रदेश खेल परिषद से कोई एन.ओ.सी. प्राप्त है। इतना ही नहीं, यह संगठन बिना जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित किए सीधे ÷स्टेट चैम्पियनशिप÷ करवा रहा है। खिलाड़ियों को जो प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं वे अमान्य हैं और उनका उपयोग न तो खेल कोटे में, न छात्रवृत्ति में और न ही किसी सरकारी मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता में किया जा सकता है। यह सीधा-सीधा खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ और आर्थिक धोखाधड़ी का मामला है। संघ ने बताया कि इस अवैध संगठन से जुड़े लोगों में रमन शर्मा (राज्य सचिव), आचार्य महेन्दर शर्मा (अध्यक्ष), वरिंदर चौधरी (अध्यक्ष), योगी रणजीत सिंह (सचिव), प्रिंस मोहन (संगठन सचिव), सुनील कौल (कोषाध्यक्ष) और जिमी ठाकुर (समन्वयक) जैसे नाम प्रमुख हैं। इन सभी ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से खिलाड़ियों और अभिभावकों को गुमराह किया है। कई परिवारों से हजारों रुपये वसूल कर उन्हें ऐसे कागज़ थमा दिए गए हैं जिनका कोई औचित्य ही नहीं।

संघ ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों और उनके परिवारों को मानसिक और आर्थिक दोनों स्तर पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अभिभावकों ने अपनी गाढ़ी कमाई यह सोचकर खर्च की कि उनके बच्चे को खेल में अवसर और पहचान मिलेगी, परंतु अब वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कई खिलाड़ी रोष में हैं और उनके अभिभावकों ने सरकार से न्याय की गुहार लगाई है। इसके विपरीत, हिमाचल प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने अपनी वैधता और मान्यता के दस्तावेज़ भी प्रस्तुत किए। संघ ने बताया कि उसे हिमाचल प्रदेश खेल परिषद से ह्रह्यष्ट संख्या 5-247/2022-स्ष्ट-3895-95 दिनांक 4 नवम्बर 2022 को प्राप्त हुई है। साथ ही यह सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट के अंतर्गत पंजीकरण संख्या ॥क्रष्ठ-11369 दिनांक 13 दिसम्बर 2022 से विधिवत पंजीकृत है। संघ योगासन भारत (पूर्व में राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन) से संबद्ध है, जिसे भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने मान्यता दी हुई है। इसके अतिरिक्त, संघ इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन का सहयोगी सदस्य और वर्ल्ड योगासन से भी जुड़ा हुआ है। संघ ने कहा कि मान्यता प्राप्त निकाय होने के नाते खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करना उसका पहला कर्तव्य है। इसलिए सरकार से निम्नलिखित कदम उठाने की अपील की गई है ङ्क (1) कांगड़ा में होने वाली फर्जी चैम्पियनशिप को तत्काल विचार किया जाए। (2) दोषियों पर एफ.आई.आर. दर्ज कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाए। (3) खिलाड़ियों और अभिभावकों से वसूली गई रकम की जांच कर उन्हें वापिस दिलाई जाए। (4) इस संगठन को ब्लैकलिस्ट कर भविष्य में ऐसे प्रयासों पर रोक लगाई जाए। (5) जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को फर्जी संगठनों से सतर्क किया जाए।

वित्तीय समावेशन की पूर्णता के लिए बैंकों एवं उपभोक्ताओं के मध्य सहयोग एवं समन्वय आवश्यक - संजय मल्होत्रा

सोलन में वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम आयोजित

सोलन। भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन की पूर्णता के लिए बैंकों और उपभोक्ताओं के मध्य सहयोग एवं समन्वय आवश्यक है। संजय मल्होत्रा आज सोलन में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता एक दूसरे के पूरक हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक यह सुनिश्चित बना रहा है कि लोग वित्तीय रूप से साक्षर हों ताकि वित्तीय समावेशन का लक्ष्य पूर्ण हो सके और लोगों का धन सुरक्षित रहे।

भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि देश में बैंक अब अधिक से अधिक लोगों तक सुविधाएं एवं सेवाएं पहुंचाना सुनिश्चित बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक विभिन्न बैंकों के सहयोग से देश में वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित कर रहा है। इन शिविरों में जहां वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है वहीं री-केवाईसी जैसे आवश्यक उत्तरदायित्व को पूर्ण करने पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के लिए आवश्यक है कि बैंक उपभोक्ता तक पहुंचें। वर्तमान में देश में लगभग 1.65 लाख वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से लोगों को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश में यह सुनिश्चित बनाया जा रहा है कि 500 जनसंख्या वाली बस्ती के पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन की दिशा में पहला पग बैंक खाता है और आज देश में लगभग 250 करोड़ बैंक खाते खुल गए हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने धन और बैंक खातों को सुरक्षित रखने के लिए री-केवाईसी अवश्य करवाएं। उन्होंने आग्रह किया कि उपभोक्ता जन सुरक्षा योजनाओं में नामांकन करना सुनिश्चित बनाएं ताकि उन्हें बैंकिंग एवं बैंकों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही बीमा योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सचेत रहकर ही सुरक्षित रहा जा सकता है और वित्तीय रूप से नागरिकों को सुरक्षित रखना वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

संजय मल्होत्रा ने कहा कि देश में लगभग 55 करोड़ जन धन खातों में से 11 करोड़ खातों का री-केवाईसी करवाई गई है। उन्होंने कहा कि अन्य जन धन खातों की री-केवाईसी का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन की अन्य योजनाएं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना व अन्य योजनाओं का लाभ लोगों को घर-द्वार पर पहुंचाना बैंकों का लक्ष्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बैंकों द्वारा पूरे देश में इन योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए समय-समय पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया कर्मियों से आग्रह किया कि सभी उपभोक्ताओं को बैंकों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर लगने वाले शिविरों के बारे में जागरूक करें ताकि उपभोक्ता इससे लाभान्वित हो सकें।संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंकों द्वारा री-केवाईसी और जन सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदेश में अभी तक 2361 शिविर आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोलन ज़िला में लगभग 25 हजार बैंक उपभोक्ताओं का री-केवाईसी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे पूर्ण साक्षर राज्य सहित देश में बैंकों द्वारा उपभोक्ताओं को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि इस दिशा में बैंकों द्वारा समय-समय पर दी जा रही जानकारी को ध्यान में रखें और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के लिए अपना ओ.टी.पी., पासवर्ड और एस.एम.एस. किसी को न बताएं। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी से बचाव के लिए उपभोक्ताओं को लुभावनी योजनाओं से बचने की आवश्यकता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर द्वारा इस अवसर पर सोलन ज़िला के प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत लाभार्थी गंगा देवी, अनु देवी, नरेन्द्र सिंह तथा योगेश कुमार को दावा चैक प्रदान किए गए। उन्होंने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया और महिला स्वयं सहायता समूहों की आशातीत सफलता पर प्रसन्नता जताई।पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक अशोक चन्द्र ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित प्रमुख वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर विभिन्न बैंकों द्वारा उपस्थित उपभोक्ताओं के खातों का पुनः केवाईसी किया गया तथा विभिन्न बैंकों, स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रदर्शनियों के स्टाल भी लगाए गए। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत कोठों की प्रधान जयवंती ठाकुर, पंचायत राज संस्थाओं के अन्य प्रतिनिधि, उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन, भारतीय रिज़र्व बैंक की मुख्य महाप्रबंधक निशा नांबियार, यूको बैंक के महाप्रबंधक अंबिका नंद झा, भारतीय स्टेट बैंक के उप प्रबंध निदेशक शिव ओम दीक्षित, भारतीय रिज़र्व बैंक शिमला के क्षेत्रीय निदेशक अनुपम किशोर, विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल का स्वर्णिम युग

प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हर क्षेत्र में सार्थक दृष्टिकोण के साथ नवीन पहल की जा रही है। प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह पहल सरकारी संस्थानों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चत करते हुए उन्हें भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं और चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। सरकारी विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम का निर्णय मुख्यमंत्री ने गहन चिंतन और विशेषज्ञों से हर पहलू पर गंभीरता से विचार-विमर्श कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया है। यह क़दम हिमाचल प्रदेश के प्रगतिशील भविष्य की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

वर्तमान प्रदेश सरकार हिमाचल के प्रत्येक बच्चे को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ नवीन योजनाएं लागू कर रही है और इनके सफल कार्यान्वयन के लिए पूर्णतः समर्पित है। इस वित्त वर्ष शिक्षा क्षेत्र के लिए 9 हज़ार 849 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जो प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने चुनावी गारंटी के अनुरूप सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की शुरुआत की है, जिसके फलस्वरूप आज इन कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा में भी आत्मविश्वास और कुशलता से अपने विचारों और भावनाओं को प्रकट करने में काबिल बन रहे हैं।

वर्तमान प्रदेश सरकार मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त करते हुए इन्हें आधुनिक सुविधाओं और पर्याप्त मानव संसाधनों से युक्त कर रही है। इसी उद्देश्य से इनका युक्तिकरण भी किया गया है। इन कड़े लेकिन बेहद आवश्यक निर्णयों का प्रतिफल है कि आज हिमाचल विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात में देशभर में अग्रणी बनकर उभरा है और शिक्षा व्यवस्था में आशातीत सुधार देखने को मिल रहा है।

आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को हर बच्चे तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं और अन्य आधुनिक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। प्रदेश सरकार द्वारा 500 प्राथमिक स्कूल, 100 उच्च विद्यालय, 200 वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, 48 महाविद्यालयों और 2 संस्कृत महाविद्यालयों सहित कुल 850 शैक्षणिक संस्थानों को उत्कृष्ट संस्थान घोषित किया गया है। इन स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक, बेहतर भवन, प्रयोगशालाएं और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। प्रदेश के बच्चों के उच्च शिक्षा के सपने को साकार करने के लिए डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना आरम्भ की गई है।

हिमाचल, सहकारिता के क्षेत्र में देश का कर रहा पथ प्रदर्शनः उप-मुख्यमंत्री

शिमला। सहकारी क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित विभिन्न पहलों पर आज शिमला में हिमाचल प्रदेश सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने हिमाचल प्रदेश को सहकारिता के लिए आदर्श राज्य बताया। उन्होंने कहा कि विविधता से पूर्ण हिमाचल में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर उन्होंने 121 ई-पैक्स का शुभारंभ भी किया। बैठक में उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हिमाचल में सहकारिता की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सहकारिता का जनक है और सहकारिता के क्षेत्र में हिमाचल ने देश को एक नई राह दिखाई है। प्रदेश में सहकारी समितियां बेहतरीन कार्य कर रही हैं। भरोसे का दूसरा नाम सहकारिता है जिसके बल पर प्रदेश की सहकारी समितियों ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान स्थापित की है तथा सफलता की नई बुलदियों को हुआ। हिमाचल में लगभग 20 लाख लोग सहकारिता से जुड़े हुए हैं और प्रदेश की सहकारी समितियां महिला सशक्तिकरण का उदाहरण पेश कर रही है। वर्तमान में 2,287 प्राथमिक कृषि ऋण समितियां ग्रामीण वित्तीय समावेशन का कार्य कर रही है। इस दिशा में 6 नई बहुउद्देशीय समितियां गठित की गई हैं। प्रदेश में 76 समितियां मछली पालन समुदाय, 971 डेयरी समितियां दूध उत्पादन एवं वितरण, 441 समितियां बचत एवं ऋण सुविधा और 386 प्राथमिक विपणन सहकारी समितियां किसानों को अपनी उपज बेचने में मदद कर रही है। हिमाचल डेयरी क्षेत्र में भी प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इस क्षेत्र में 561 नई समितियां गठित की गई है।

हिमाचल उत्सव का आगाज परंपरागत पूजा-अर्चना से, पहले दिन पहुंचेगी सितारों की चमक

सोलन। डायनामिक इंडिया युवा मंडल द्वारा आयोजित हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा गैर-सरकारी मेला 21वां हिमाचल उत्सव रविवार को ऐतिहासिक ठोडो मैदान में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार प्रसिद्ध पुजारी श्री गणेश पंडित की अगुवाई में ब्राह्मणों ने ओजस्वी वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच उत्सव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर युवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पंकज सूद, संस्थापक उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा और संस्थापक महासचिव कीर्ति कौशल ने पूजा-अर्चना की अगुवाई की। वहीं युवा मंडल के सदस्य अंकुश सूद, मनोज ठाकुर, रितु दमन सिंह, डॉक्टर कुशल तिवारी, कुलदीप (द्यद्धह्यद्ब), विजय, भानू, विशाल सूद, अजय भाटिया सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। पहली सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य कलाकार के रूप में पीटीसी वॉयस ऑफ़ पंजाब विजेता गौरव गोंडल और लोकप्रिय नाटी गायक सुरेश शर्मा अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। हिमाचल उत्सव के इस 21वें संस्करण को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यटकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

क्रैक एकेडमी ने हिमाचल में नए सेंटर और साझेदारी की घोषणा की

शिमला। क्रैक एकेडमी ने हिमाचल के टियर-2 और टियर-3 शहरों के बच्चों तक किफायती और बेहतर शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से आज सोलन में नए सेंटर और साझेदारी के अवसर की घोषणा की है। इसी मिशन के तहत एकेडमी ने हिमाचल के अन्य जिलों में कई सेंटर शुरू किए हैं, जिन्हें छात्रों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। क्रैक एकेडमी के सीईओ, नीरज कंसल ने कहा, ÷हमारा मक़सद हमेशा से छात्रों के सपनों और अवसरों के बीच की दूरी को खत्म करना रहा है। हिमाचल के छात्रों से मिला उत्साहजनक रिस्पॉन्स हमें और तेज़ी से आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है।÷

वहीं क्रैक एकेडमी के सह-संस्थापक आशीष मित्तल ने बताया कि सोलन , परवाणू और अर्की में फ्रेंचाइजी और साझेदारी के अवसर खोले गए हैं। इसके जरिए स्थानीय उद्यमी और शिक्षा से जुड़े लोग इस मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं। यह न सिर्फ छात्रों के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में एक स्थायी और मजबूत व्यवसाय का रास्ता भी खोलेगा। क्रैक एकेडमी फिलहाल विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेषज्ञ फैकल्टी, पर्सनल मेंटरशिप और टेक-ड्रिवन लर्निंग सॉल्यूशंस के साथ छात्रों को तैयार कर रही है। इसका मकसद उन छात्रों तक बेहतर संसाधन पहुँचाना है, जिन्हें बड़े शहरों जैसी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

प्राकृतिक खेती से उपभोक्ताओं तक पहुँचेंगे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक उत्पादः केवल सिंह पठानिया

धर्मशाला। कृषि विभाग द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आतमा) परियोजना के अंतर्गत आज रक्कड़-का-बाग (रैत) में एक दिवसीय किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य सचेतक एवं शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि केवल सिंह पठानिया ने अपने संबोधन में कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने किसानों की समृद्धि, स्वस्थ मिट्टी, शुद्ध उत्पाद और जलवायु अनुकूलन की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन तथा आतमा परियोजना से प्रदेश के किसान-बागवान प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं और इसे सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने देश में पहली बार प्राकृतिक खेती से उत्पन्न अनाजों और उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया है। यह निर्णय न केवल किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि हिमाचल को देश में अग्रणी स्थान भी दिलाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्राकृतिक गेहूँ पर 60 रुपये प्रति किलोग्राम, प्राकृतिक मक्की पर 40 रुपये प्रति किलोग्राम, प्राकृतिक जौ पर 60 रुपये प्रति किलोग्राम, प्राकृतिक कच्ची हल्दी पर 90 रुपये प्रति किलोग्राम का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा और उपभोक्ताओं तक शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद पहुँचेंगे। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल सरकार का यह कदम प्रदेश को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने, लागत घटाने और लाभ बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

विश्व मानव रूहानी केंद्र ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में स्प्रे पंप दान किए और मच्छरनाशी व एंटी-लार्वा स्प्रे करवाया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व मानव रूहानी केंद्र, चण्डीगढ़ हमेशा मानवता की सेवा के लिए अग्रणी रहता है। हाल ही में पंजाब में आई भीषण बाढ़ के दौरान केंद्र के सेवकों ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और सफाई अभियान चलाकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहें हैं। संत बलजीत सिंह जी की प्रेरणा से चल रहे इस अभियान के अंतर्गत प्रभावित गांवों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया और मृत पशुओं को जेसीबी और ट्रॉली की सहायता से सुरक्षित तरीके से दफनाया गया। 100 नए स्प्रे पंप दान किए गए और मच्छरनाशी व एंटी-लार्वा स्प्रे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही 5 लाख क्लोरीन की गोलियां पानी को शुद्ध करने के लिए वितरित की गईं।

कपूरथला, हुसैनीवाला (फिरोज़पुर), अजनाला (अमृतसर), रमदास (अमृतसर) और गुरदासपुर में राहत शिविर और मेडिकल कैंप लगाकर लोगों को दवाइयां और सहायता प्रदान की जा रही है। स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें लोगों को यह शिक्षा दी जा रही है कि बाढ़ के बाद स्वच्छ पानी का उपयोग कैसे करना है, खान-पान में कौन सी सावधानियां रखनी हैं और बीमारियों से बचाव के उपाय क्या हैं।

प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री खाद्य पदार्थ, कपड़े, दवाइयां लगातार वितरित की जा रही हैं। हाल ही में पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर बलबीर सिंह, अजनाला के विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल और पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती लक्ष्मी कांता चावला ने रमदास में लगाए गए संस्था के मेडिकल कैंप में शिरकत की और उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की सराहना की।

संस्था के प्रवक्ता मनमोहन सिंह ने बताया कि विश्व मानव रूहानी केंद्र हमेशा समाज सेवा में अग्रसर रहता है और संत बलजीत सिंह जी की प्रेरणा से भविष्य में भी ऐसे मानवता-हित कार्य करता रहेगा।

भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए थे : कथा व्यास श्री विजय शास्त्री जी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्रीमद्भागवत कथा कमेटी प्रोग्रेसिव एवं अन्य सोसाइटी समस्त सदस्यों द्वारा सेक्टर 50 मे आयोजित श्रीमद् भागवत कथा मे कथा व्यास श्री विजय शास्त्री जी ने अपनी अमृतमयी वाणी से कथा मे द्वारा श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ करते हुए भगवान की अनेक लीलाओं के साथ-साथ दिव्य महारास लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए। महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थीं।

सच्चे प्रेम और सच्ची भक्ति को कोई बाधा रोक नहीं सकती : भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सैक्टर 40-ए स्थित श्री राधा-कृष्ण मन्दिर में पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा कराई जा रही है। मंदिर सभा के प्रधान बीपी अरोड़ा और महासचिव विनय कपूर ने बताया कि आज की कथा में भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज (सहारनपुर वाले) ने रुक्मिणी विवाह व अन्य पावन प्रंसग बड़े ही भक्तिभाव से प्रभु प्रेमियों को श्रवण करवाया। उन्होंने बताया कि विदर्भराजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को अपने पति रूप में स्वीकार करने का संकल्प किया था। किंतु उसके भाई रुक्मिणी ने उसका विवाह शिशुपाल से करने का निश्चय किया। संकट की इस घड़ी में रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर बुलाया। भगवान श्रीकृष्ण ने वीरता और नीति का परिचय देते हुए स्वयं विदर्भ पहुँचकर उनसे विधिपूर्वक विवाह किया। यह प्रसंग केवल एक दिव्य विवाह की कथा नहीं है बल्कि यह इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चे प्रेम और भक्ति को कोई बाधा रोक नहीं सकती।

मन्दिर प्रांगण में रुक्मिणी विवाहोत्सव के अवसर पर सुंदर भजनों और कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा। उपस्थित भक्तजनों ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी माता के जयकारों के साथ इस दिव्य प्रसंग का आनंद लिया।

फ्रेशर्स पार्टी में सहज को मिस ब्यूटी विद ब्रेन चुना गया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पोस्ट-ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-42 के विज्ञान विभाग ने एक फ्रेशर्स पार्टी के साथ नए सत्र के प्रथम वर्षीय छात्राओं का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की लगभग 400 छात्राओं के साथ-साथ सभी विज्ञान विभागों के प्रध्यापकगण एवं अन्य अधिकारी सदस्य भी शामिल हुए। इस दौरान सुश्री दिया को मिस साइंस, सक्षम को मिस सेलेस्टाइन, उन्नति को मिस रेडियंस, अक्षिता को मिस क्यूरी और सहज को मिस ब्यूटी विद ब्रेन चुना गया।

महाविद्यालय की द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की वरिष्ठ छात्राओं ने अपने प्रथम वर्ष की नई आई साथियों के लिए एक यादगार स्वागत समारोह आयोजित किया। मधुर गायन और समूह नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए सारे माहौल को अपनी प्रतिभा से रमणीय कर दिया।

समारोह का मुख्य आकर्षण पारंपरिक रैंप वॉक रहा, जहाँ प्रदर्शन और बुद्धिमत्ता के आधार पर मिस फ्रेशर और मिस टैलेंटेड छात्राओं के प्रतिष्ठित खिताब प्रदान किए गए।

कॉलेज प्राचार्य प्रो० (डॉ०) अनीता कौशल ने छात्राओं की सहयोगात्मक भावना और कार्यक्रम के सुंदर आयोजन की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक प्रो० (डॉ०) दीपिका कंसल और अन्य संकाय सदस्यों के साथ मिलकर प्रत्येक श्रेणी में खिताब विजेताओं को सैश और क्राउन प्रदान किए।

पंजाब में बाढ़ से अब तक 56 जानें गईं, 50 बाढ़ पीड़ित परिवारों को मुआवजा राशि वितरित की जा चुकी

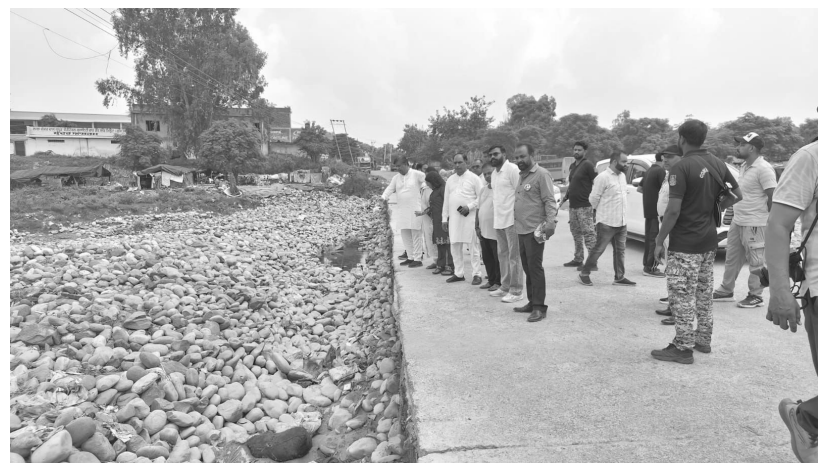

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की बांह पकड़ने संबंधी अपनी वचनबद्धता पर खरे उतरते हुए पंजाब सरकार द्वारा तुरंत प्रभाव से 50 परिवारों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है।

यह जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि भयानक बाढ़ कारण पंजाब में 56 कीमती जानें गईं और इनमें से 50 परिवारों को मुआवजा दिया जा चुका है जबकि बाकी 6 परिवारों को भी जल्दी ही मुआवजा दे दिया जाएगा। स मुंडियां ने आगे कहा कि गिरदावरी का काम शुरू हो गया है और यह जल्दी से जल्दी पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को उनके नुकसान के लिए पूरा मुआवजा दिया जाएगा।

पेंड़ विकास और पंचायत मंत्री स तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि सूबा सरकार ने पंजाब के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ राहत और पुनर्वास प्रोग्राम शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि मलबे की सफाई और लाशों के निपटारे का काम 24 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हालात आम जैसे करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने 2300 बाढ़ प्रभावित गांवों में सफाई के लिए विशेष मुहिम शुरू की है। इस कार्य तहत बाढ़ प्रभावित गांवों में से गाद और मलबे को हटाया जा रहा है और लोगों को पानी से होने वाली बीमारियों के फैलाव बारे जागरूक किया जा रहा है। डॉक्टरों की अगुवाई में मेडिकल टीमें बाढ़ प्रभावित लोगों और जानवरों की जांच कर रही हैं। इसके अलावा किसी भी बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए जानवरों का टीकाकरण किया जा रहा है।

- **2300 बाढ़ प्रभावित गांवों की सफाई के लिए विशेष मुहिम चलाई**
- **खेती जमीन से गाद और मलबा हटाने के लिए प्रशासनिक मशीनरी 24 घंटे काम कर रही**
- **लोगों को पानी से होने वाली बीमारियों के बारे में किया जा रहा जागरूक**

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि ईओज़ की सहायता के लिए नोडल अफसर तैनात किए गए हैं ताकि सफाई का काम तेजी से हो सके। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों की जांच के लिए मेडिकल टीमें बनाई गई हैं और किसी भी बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए पंजाब सरकार द्वारा ठोस यत्न किए जा रहे हैं।

गुरू साहिबानों ने हिन्दुस्तान को संकट के समय बहुत कुछ दिया, अब समय है लौटाने का : पीठाधीश्वर श्री आनंदम् धाम, वृंदावन, परम पूज्य सद्गुरु स्वामी रितेश्वर जी महाराज

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब दस गुरु साहिबानों का कर्मक्षेत्र रहा है व पूरा भारतवर्ष हिंदुओं की रक्षा के लिए उनके द्वारा दिए गए बलिदानों के लिए कृतज्ञ है। आज पंजाब बेहद मुसीबत में है। यहां के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के पीड़ितों के त्रासदी बेहद ही भयावह है एवं उनकी पीड़ा अवर्णनीय है। इसलिए आज वक्त है कि सारा देश पंजाब के लिए एकजुट होकर सहायता के लिए आगे आए। ये कहना था पीठाधीश्वर श्री आनंदम् धाम, वृंदावन, परम पूज्य सद्गुरु स्वामी रितेश्वर जी महाराज का। स्वामी जी पंजाब के सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रसद पहुंचाने व बाढ़ पीड़ितों का कुशलक्षेम जानने के पश्चात आज चण्डीगढ़ पधारे थे। इस अवसर पर उन्होंने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आनंदम् धाम पंजाब के साथ, एक साथ का संदेश लेकर वे ज़रूरतमंदों को राहत और सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य के साथ यहां आए हैं। उन्होंने अपने योगदान को बेहद मामूली करार देते हुए उस गिलहरी से तुलना की जिसने त्रेतायुग में रामसेतु के निर्माण के वृहद कार्य के दौरान इसमें अपना तुच्छ योगदान दिया था। इस दौरान स्वामी जी ने चेतन भारत लर्निंग इंस्टीट्यूट, सेक्टर 43 के प्रतियोगी परीक्षाओं के शिक्षणार्थियों के साथ एक विशेष संगोष्ठी में संवाद भी किया व उन्हें चरित्र की शुद्धता एवं राष्ट्र निर्माण में सनातन परंपराओं, संस्कारों एवं पुरातन ग्रंथों का भी अध्ययन एवं पालन करने का संदेश दिया। स्वामी जी ने युवाओं को करुणामय रुख अपनाते हुए सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर प्रेरित किया।

- **मैं तो मात्र त्रेतायुग की एक गिलहरी के समान मदद करने के बृहद अभियान में योगदान करने आया हूं**
- **युवाओं को चरित्र की शुद्धता एवं राष्ट्र निर्माण में सनातन परंपराओं, संस्कारों एवं पुरातन ग्रंथों का भी अध्ययन एवं पालन करने का संदेश दिया पीठाधीश्वर ने**

धार्मिक स्थलों को सोलर पैनल लगवाने के लिए सब्सिडी मिलनी चाहिए : हरभूषण गुलाटी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। शहर में धार्मिक स्थल भारी भरकम बिजली के बिलों से त्रस्त हैं, परन्तु अगर वे इससे बचने के लिए अपने यहां सोलर पैनल लगवाना भी चाहें, इनको स्थापित करने के खर्चे को वहन करना धार्मिक स्थलों के संचालकों के लिए बेहद कठिन है, क्योंकि ये संस्थाएं सिर्फ श्रद्धालुओं के दान पर ही निर्भर हैं। इसलिए धार्मिक संस्थाओं को सोलर पैनल लगवाने के लिए सब्सिडी का प्रावधान करना चाहिए। ये कहना था श्री सनातन धर्म मंदिर सभा, सेक्टर 27 के अध्यक्ष हरभूषण गुलाटी का, जो आज मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता की संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सौर ऊर्जा को अधिकाधिक बढ़ावा देने के मिशन में जुटे हुए हैं और इसी के अनुरूप चण्डीगढ़ प्रशासन का भी लक्ष्य शहर को 100 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से भरपूर करना है। परन्तु धार्मिक संस्थाओं को इस मिशन से जोड़े बिना ये लक्ष्य हासिल करना असंभव है। इसलिए सब्सिडी दी जानी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि वे जल्द ही शहर के सभी धार्मिक स्थलों के संचालकों एवं हिन्दू पर्व महासभा से संपर्क करेंगे व इस मुद्दे पर एकजुट होकर चण्डीगढ़ के प्रशासक से भेंट करके सब्सिडी की मांग उठाएंगे। इस अवसर पर यहां मौजूद चण्डीगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चड्ढा व हिमाचल महासभा, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष पृथी सिंह प्रजापति ने भी इस मांग को बिल्कुल सही करार देते हुए समर्थन किया। प्रेस वार्ता में मंदिर सभा के महासचिव संजीव शर्मा ने सभा द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सभा ने वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान मजदूरों एवं जरूरतमंद वर्ग के लोगों की सहायतार्थ रोजाना लंगर शुरू किया था, जो अभी लगभग साढ़े पांच वर्ष बाद भी निरन्तर जारी है व रोजाना बिना नागा 400 लोगों का लंगर तैयार करके मन्दिर के बाहर बांटा जाता है। इसके अलावा अब इस सेवा कार्य को विस्तार देते हुए सुबह का नाश्ता भन्डारा भी शुरू कर दिया है और आने वाले समय में रात्रि का भन्डारा भी शुरू कर दिया जाएगा।

अमन अरोड़ा द्वारा चीमा मंडी में खेल सुविधाओं से सुसज्जित पंजाब का पहला अनूठा बस अड्डा लोगों को समर्पित

सुनाम क्षेत्र के चीमा में 5.06 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बस स्टैंड

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब में अपनी तरह का पहला और अनूठा ढांचागत विकास साकार करते हुए पंजाब के कैबिनेट मंत्री एवं आम आदमी पार्टी, पंजाब के प्रधान श्री अमन अरोड़ा ने आज सुनाम विधानसभा क्षेत्र के चीमा मंडी में खेल कॉम्प्लेक्स से लैस अत्याधुनिक बस स्टैंड जनता को समर्पित किया। इस अनूठे प्रोजेक्ट की रूपरेखा भी श्री अमन अरोड़ा की दूरदर्शी सोच और योजना का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट को जनता के समर्पण के बाद श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि 5.06 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक बस स्टैंड, 16,555 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जो बुनियादी ढांचे को एक जीवंत कम्युनिटी हब के रूप में पुनर्परिभाषित करता है, जो सिर्फ परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा, 'खेल सुविधाओं से लैस यह अपनी तरह का पहला बस स्टैंड मॉडल जनता को इसकी अधिकतम उपयोगिता देने और हमारे युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास बहुआयामी होना चाहिए और यह प्रोजेक्ट उस दृष्टिकोण का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार की नवाचार, लोक-केंद्रित नीतियों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है, जो एक छत के नीचे विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करता है। श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि इस बस स्टैंड की भूतल पर सुव्यवस्थित आवागमन और व्यापार के लिए सुविधाएँ बनाई गई हैं। इसमें छह बस काउंटर और एक विशाल वेटिंग हॉल है, जो यात्रियों को आरामदायक अनुभव प्रदान करता है। साथ ही, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए छह वाणिज्यिक दुकानें भी बनाई गई हैं। इस मंज़िल में एक अड्डा फीस कार्यालय, एक लोडिंग/अनलोडिंग प्लेटफॉर्म, सार्वजनिक पार्किंग तथा आधुनिक शौचालय ब्लॉक भी शामिल हैं, जो यात्रियों और स्थानीय व्यवसायों के लिए सहज और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित करते हैं। इस बस स्टैंड की पहली मंज़िल श्री अमन अरोड़ा के दूरदर्शी संकल्प का प्रमुख हिस्सा है, जिसमें अत्याधुनिक मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स हॉल बनाया गया है। यह अत्याधुनिक स्थान कुश्ती, जूडो, कबड्डी, कराटे और किकबॉक्सिंग सहित अन्य खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है, जो स्थानीय एथलीटों को उनके संबंधित क्षेत्रों में अपने कौशल को निखारने के लिए एक आधुनिक प्रशिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

पतन से प्रगति तक: पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत?

लेखक: हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है।

इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग 1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग 28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025–26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को 96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने 24 लाख करोड़ से ज़्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके ज़रिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफ़र तेज़, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ़ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ़ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है।

शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-II (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज़ यातायात प्रणाली—दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)—पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफ़र एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज़ और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं।

एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ़ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेज़ी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है।

समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज़्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज़ और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोज़गार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंज़ूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ़ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ़ 57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हज़ारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर इंधन मिलना हकीकत बन चुका है।

भारत ने अब दुनिया की मेज़बानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हज़ारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा और नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेज़बानी कर सकते हैं। यह सब तब अकल्पनीय था जब हमारे नागरिक ढांचे की पहचान टूटे-फूटे हॉल और खस्ताहाल स्टेडियम हुआ करते थे।

परिवहन का आधुनिकीकरण बड़े पैमाने और तेज़ी से हो रहा है। 2014 में जहां सिर्फ़ 74 हवाईअड्डे चालू थे, आज वह संख्या बढ़कर लगभग 160 हो गई है। यह संभव हुआ है उड़ान योजना और लगातार निवेश की वजह से। वंदे भारत ट्रेनें अब 140 से अधिक रूटों पर चल रही हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में यात्रा का समय काफी घटा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से सौ से ज़्यादा का उद्घाटन हो चुका है। दिल्ली में विस्तारित टर्मिनल-1 ने आईजीआई हवाईअड्डे की क्षमता 10 करोड़ यात्रियों से अधिक कर दी है, जिससे हमारी राजधानी दुनिया के बड़े हवाई केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है।

समझदारी भरी कर नीति ने उपभोक्ताओं और विकास दोनों को सहारा दिया है। हाल ही में हुई जीएसटी सुधार के तहत ज़्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5% और 18% की दरों में रखा गया है। ऊंचे टैक्स सिर्फ़ कुछ नशे और विलासिता की चीज़ों पर ही लगाए गए हैं। रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों से लेकर कई घरेलू सामानों पर टैक्स घटा है, छोटे कार और दोपहिया वाहन अब कम जीएसटी पर मिलते हैं। कई दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी सस्ते हो गए हैं। शहरी परिवारों के लिए इसका मतलब हैकि महीने के खर्च कम होना, खपत बढ़ना और निवेश व रोज़गार का सकारात्मक चक्र चलना।

मैंने लंबे समय तक एक राजनयिक के रूप में विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और वहां मैंने देखा कि कैसे शहर किसी देश का चेहरा बन जाते हैं? वियना की रिंगस्ट्रासे, न्यूयॉर्क की ऊंची इमारतें या पेरिस की चौड़ी सड़कें- ये सब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक थीं। तब मुझे साफ़ समझ आया कि दुनिया की नज़रें सबसे पहले किसी देश के शहरों पर जाती हैं। यही विश्वास मेरे शहरी कार्य मंत्रालय के काम का आधार बना कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हमारे दूसरे शहर एक उभरते भारत का आत्मविश्वास, आधुनिकता और आकांक्षाएं दिखाएं। जैसे मेरे राजनयिक करियर ने मुझे सिखाया कि भारत की छवि दुनिया में कैसे प्रस्तुत करनी है, वैसे ही मंत्री के रूप में मेरा काम रहा है कि हमारे शहर उस छवि के लायक बनें।

यह है बदलाव की यात्राः आज़ादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पाइप्ड नेचुरल गैस तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेज़बान तक।

पाटलिपुत्र और नालंदा जैसे भारत के प्राचीन शहर कभी शहरी सभ्यता की उच्चता के प्रतीक थे। आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय शहर फिर उसी राह पर हैं, आधुनिक लेकिन मानवीय, महत्वाकांक्षी होते हुए भी समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण वाले होते हुए भी जड़ों और मूल्यों से जुड़े हुए। नया शहरी भारत एक दिन में नहीं बन रहा है, बल्कि यह हर दिन बन रहा है- ईंट दर ईंट, ट्रेन दर ट्रेन, घर दर घर। और यह पहले से ही करोड़ों लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है।

संपादकीय

शांति की आशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर यात्रा बहुप्रतीक्षित थी। दो साल से ज्यादा वक्त से यह राज्य अशांत है। छिटपुट हिंसा का दौर अब भी जारी है। पीएम के दौरे और विकास परियोजनाओं के ऐलान से शांति व स्थायित्व बहाल करने में मदद मिल सकती है। मणिपुर का मौजूदा संकट मार्च 2023 में वहां के हाईकोर्ट के उस आदेश से शुरू हुआ था, जिसमें राज्य सरकार से मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने पर जल्द विचार करने को कहा गया था। इसके कुछ दिनों बाद ही कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़क उठी। इसमें 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों विस्थापितों की तरह रहने को मजबूर हैं। इस संघर्ष ने राज्य की दो प्रमुख जनजातियों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है। मामले की जटिलता यह है कि कुकी और मैतेई ही नहीं, कई दूसरी जनजातियां भी हैं, जिनको वार्ता का हिस्सा बनाए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता। उम्मीद की जा सकती है कि प्रधानमंत्री के आने के बाद इस दिशा में ठोस पहल होगी। हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में चुराचांदपुर है। पीएम के दौरे का ऐलान होने के बाद भी यहां से पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ कुछ लोगों की झड़प की खबरें आई थीं। इससे जाहिर होता है कि कुछ अराजक तत्व शांति बहाली की कोशिशों को पटरी से उतारना चाहते हैं। राज्य के लोगों को यह भरोसा दिलाने की जरूरत है कि सरकार किसी एक समुदाय या वर्ग के साथ नहीं, पूरे मणिपुर के साथ है और उनकी सामूहिक भलाई के लिए काम कर रही है। दरअसल, निवर्तमान सीएम एन बीरेन सिंह को इसीलिए इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि उन्हें लेकर कुकी समुदाय आश्वस्त नहीं था। यह भी आरोप लगे थे कि उन्होंने हिंसा से निपटने के लिए जरूरी तत्परता नहीं दिखाई। मणिपुर का सामाजिक तानाबाना बहुत नाजुक है। यहां पहले भी कुकी-पाइते और मैतेई-पंगल संघर्ष हो चुका है। केंद्र की एक्ट-ईस्ट पॉलिसी का हिस्सा होने और म्यांमार से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के कारण मणिपुर में ज्यादा संवेदनशीलता व सावधानी बरतने की जरूरत है।

पतन से प्रगति तक: पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत ?

लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है।

इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग ?1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग ?28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025ङ्क26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को ?96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने ?24 लाख करोड़ से ज़्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके ज़रिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफ़र तेज़, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ़ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ़ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है।

शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-द्वद्व (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज़ यातायात प्रणाली—दिल्लीङ्कमेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)—पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफ़र एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज़ और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं।

एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ़ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेज़ी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है।

समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज़्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज़ और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोज़गार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंजूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ़ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ़ 57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हज़ारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर ईंधन मिलना हकीकत बन चुका है।

भारत ने अब दुनिया की मेज़बानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हज़ारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा और नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेज़बानी कर सकते हैं। यह सब तब अकल्पनीय था जब हमारे नागरिक ढांचे की पहचान टूटे-फूटे हॉल और खस्ताहाल स्टेडियम हुआ करते थे।

परिवहन का आधुनिकीकरण बड़े पैमाने और तेज़ी से हो रहा है। 2014 में जहां सिर्फ़ 74 हवाईअड्डे चालू थे, आज वह संख्या बढ़कर लगभग 160 हो गई है। यह संभव हुआ है उड़ान योजना और लगातार निवेश की वजह से। वंदे भारत ट्रेनें अब 140 से अधिक रूटों पर चल रही हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में यात्रा का समय काफी घटा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से सौ से ज़्यादा का उद्घाटन हो चुका है। दिल्ली में विस्तारित टर्मिनल-1 ने आईजीआई हवाईअड्डे की क्षमता 10 करोड़ यात्रियों से अधिक कर दी है, जिससे हमारी राजधानी दुनिया के बड़े हवाई केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है।

समझदारी भरी कर नीति ने उपभोक्ताओं और विकास दोनों को सहारा दिया है। हाल ही में हुई जीएसटी सुधार के तहत ज़्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5त्न और 18त्न की दरों में रखा गया है। ऊंचे टैक्स सिर्फ़ कुछ नशे और विलासिता की चीज़ों पर ही लगाए गए हैं। रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों से लेकर कई घरेलू सामानों पर टैक्स घटा है, छोटे कार और दोपहिया वाहन अब कम जीएसटी पर मिलते हैं। कई दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी सस्ते हो गए हैं। शहरी परिवारों के लिए इसका मतलब हैकि महीने के खर्च कम होना, खपत बढ़ना और निवेश व रोज़गार का सकारात्मक चक्र चलना।

मैंने लंबे समय तक एक राजनयिक के रूप में विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और वहां मैंने देखा कि कैसे शहर किसी देश का चेहरा बन जाते हैं? वियना की रिंगस्ट्रासे, न्यूयॉर्क की ऊंची इमारतें या पेरिस की चौड़ी सड़कें- ये सब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक थीं। तब मुझे साफ़ समझ आया कि दुनिया की नज़रें सबसे पहले किसी देश के शहरों पर जाती हैं। यही विश्वास मेरे शहरी कार्य मंत्रालय के काम का आधार बना कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हमारे दूसरे शहर एक उभरते भारत का आत्मविश्वास, आधुनिकता और आकांक्षाएं दिखाएं। जैसे मेरे राजनयिक करियर ने मुझे सिखाया कि भारत की छवि दुनिया में कैसे प्रस्तुत करनी है, वैसे ही मंत्री के रूप में मेरा काम रहा है कि हमारे शहर उस छवि के लायक बनें।

यह है बदलाव की यात्रा- आज़ादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पाइप्ड नेचुरल गैस तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेज़बान तक।

पाटलिपुत्र और नालंदा जैसे भारत के प्राचीन शहर कभी शहरी सभ्यता की उच्चता के प्रतीक थे। आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय शहर फिर उसी राह पर हैं, आधुनिक लेकिन मानवीय, महत्वाकांक्षी होते हुए भी समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण वाले होते हुए भी जड़ों और मूल्यों से जुड़े हुए। नया शहरी भारत एक दिन में नहीं बन रहा है, बल्कि यह हर दिन बन रहा है- ईंट दर ईंट, ट्रेन दर ट्रेन, घर दर घर। और यह पहले से ही करोड़ों लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है।

जलवायु परिवर्तन और तितलियां- बसंत के रंगीन सुंदर दूत

(डॉ. रेखा रानी)

तितलियां न केवल फूलों की सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि धरती के लिए जीवन का संदेश लाती हैं। इनका संरक्षण सिर्फ एक प्रजाति का नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण है। जब रंग-बिरंगी तितली एक फूल से दूसरे फूल पर पराग लेकर उड़ती है तभी प्रकृति मुस्कुराती है और तभी नया जीवन खिलता है। तितलियां केवल सुंदरता की प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति की नाजुक कड़ी भी हैं। शोध और कीट वैज्ञानिक बताते हैं कि तितलियां परागण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इनका जीवन पूरी तरह से मौसम और तापमान पर निर्भर करता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन इनकी संख्या, प्रवास, जीवन चक्र और परागण प्रक्रियाओं पर सीधा असर डालता है। जैसे-जैसे तापमान असामान्य होता है या वर्षा का पैटर्न बिगड़ता है, कुछ तितलियां अधिक प्रजनन करती हैं, तो कुछ विलुप्ति के कगार पर आ जाती हैं। तितलियां पर्यावरण संतुलन, कृषि और जैव विविधता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

लेमन इमिग्रेंट तितली

यह तितली दक्षिण-पश्चिम एशिया की मूल निवासी है, पर अब भारत के अनेक भागों में पाई जाती है। इसका रंग हल्का पीला होता है, और पंखों के किनारे काले होते हैं। यह एक प्रवासी प्रजाति है, जो मार्च से जून के बीच, मानसून के पहले प्रवास करती है। लेमन इमिग्रेंट इनकी जनसंख्या मौसम में थोड़े से बदलाव से भी तेजी से प्रभावित होती है, इसलिए इसे जलवायु संकेतक प्रजाति कहा जाता है। ये तितलियां सेनना या कैसिया पौधों पर अंडे देती हैं। 3-4 दिनों में अंडों

से लार्वा निकलते हैं और लगभग दस दिनों में प्यूपा बन जाते हैं। प्यूपा रेशमी धागों से पत्तियों के डंठलों से लटकते हैं। फिर इनमें से नन्हीं तितलियाँ निकलती हैं, जो जीवन के चक्र को आगे बढ़ाती हैं।

लोककथा

एक गांव की प्राचीन लोककथा कहती है कि एक बार सावन के बाद भी अमलतास नहीं खिला। गांव की एक बच्ची ने तितलियों को पुकारा। थोड़ी देर में पीली-पीली तितलियां झुंड में आईं और अमलतास के पीले फूल खिल कर झूम उठे। तभी से मान्यता है- अमलतास तब तक नहीं खिलता, जब तक ये तितलियां उसके चारों ओर नृत्य न करें। यह तितली नारी शक्ति, जीवन की जननी और प्रकृति चेतना की प्रतीक मानी जाती है।

मॉटल्ड इमिग्रेंट तितली

इस तितली को मॉटल्ड इमिग्रेंट भी कहा जाता है। यह अत्यंत फुर्तीली और प्रवासी स्वभाव की होती है। सफेद या हल्का पीला रंग, और पंखों पर हल्के धब्बे- इसकी पहचान है। यह फूलों से रस पीते हुए परागण करती है। पराग इसके पैरों से चिपककर एक फूल से दूसरे फूल तक जाता है, जिससे नए बीज और फल उत्पन्न होते हैं।

यह तितली लंबी दूरी तय करके नए इलाकों में अंडे देती है- जहां नवजीवन पनपता है। परन्तु जलवायु परिवर्तन ने इनके जीवन और पौधों के विकास के बीच संतुलन बिगाड़ दिया है। जब होस्ट प्लांट और तितली के जीवन चक्र का समय मेल नहीं खाता, तो परागण प्रभावित होता है।

ग्रामों में कहा जाता हैं, - बसंत आने की कोई तारीख नहीं होती। वो इन तितलियों के सफेद रेशमी पंखों पर सवार होकर खेतों में उतरता है। जब ये सरसों के पीले फूलों पर झुंडों में उड़ती हैं तब किसान इन्हें देख कर मन हीं मन सोचते हैं- अब ऋतु बदलेगी, अब धरती मुस्कुराएगी।

- जलवायु परिवर्तन के कारण
- ग्रीनहाउस गैसों की बढ़त
- वनों की कटाई
- प्रदूषण और औद्योगिकीकरण
- प्लास्टिक और संसाधनों का अत्यधिक उपयोग
- शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि
- इसके परिणाम
- मौसम के चक्र में असामान्यता
- तितलियों के जीवन में बाधा
- परागण प्रक्रिया में कमी
- जैव विविधता और कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव
- समाधान
- तितलियों के लिए कैसिया व सेना जैसे होस्ट पौधों को संरक्षित करना
- रासायनिक कीटनाशकों से बचना
- अधिक पेड़ लगाना
- जैविक कृषि को अपनाना
- प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली

जन-जागरूकता और स्थानीय संरक्षण परियोजनाएँ

तितलियां न केवल फूलों की सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि धरती के लिए जीवन का संदेश लाती हैं। इनका संरक्षण सिर्फ एक प्रजाति का नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण है।

वर्ग पहेली 5852

संकेतः बाएं से दाएं
1. करीब 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी इस नृत्यांगना अभिनेत्री का 21 अक्टूबर 1939 को जन्म दिन है(3)
4. निद्रा को जीत लेने के कारण पांडुपुत्र अर्जुन का एक नाम (4)
8. अपना स्वार्थ सिद्ध करने वाला (4)
9. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
10. कच्चे आम या इमली का बना खटठा-मीठा पदार्थ (2)
11. हिंदू धर्म के लोग इस पौधे को पवित्र मानते है, कार्तिक मास में इस पौधे का पूजन हर हिंदू के घर में होता है (3)
14. राजमुकुट, शिखा (2)
15. वह राजा जिसके नाम से कोई सवत् चले, भ्रम (2)
16. आईना, कांच, शीशी (3)
17. मेहबूब खान के निर्देशन में बनी फिल्म आन (1952) इस अभिनेत्री की पहली फिल्म थी (3)
19. युद्ध, जंग, लड़ाई (2)
21. उपद्रव, फसाद (3)
22. मित्र, दोस्त, पुरूष मित्र (2)
23. नर्मघास, विशाखा, अमृता (2)

ऊपर से नीचे
1. पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका जो संगीतकार रवींद जैन की पसंदीदा गायिकाओं में से एक थी (4)
2. दुर्व्यसन, बुरी आदत (2)
3. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद पर बंधापुल (4)
5. भराई करना, पूंजी निवेश करना (3)
6. इस फल को कदरी भी कहते है (2)
7. बैडमिंटन की गेंद को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
10. दया आना, द्रवित होना (4)
12. कोमलकांड, सुंदर स्त्री (2)
13. लंकाधिपति रावण की प्रसिद्ध बहन (4)
15. सज्जनता, सभ्यीकरण (4)
16. ईश्वर दर्शन (3)
18. मन, हृदय, चित्त (2)
20. पिता के पिता को प्यार से यह कहते है (2)

वर्ग पहेली 5851 का हल

श्री	लं	का	■	ली	ला	से	ठ
ग	ब	न	■	प	ल	■	ग
णे	■	न	म	ना	■	बा	ना
शा	प	■	हा	■	द	■	■
य	ह	■	दे	व	रि	पु	■
न	र	दे	व	■	या	र	■
मः	■	व	■	■	दि	खा	ना
■	■	र	सा	त	ल	■	ते

हिंदी- राजभाषा, राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा

(प्रो. संजय द्विवेदी)

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है।

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आप नई योजनाओं पर अधिक ध्यान दे सकते हैं और किसी विशेष व्यवस्था पर भी समय व्यतीत हो सकता है। व्यापार के मामले में आप कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। लेकिन आपको कोई भी काम सावधानी से करना होगा, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है।

वृष

आज दिन कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं। आर्थिक मामलों में धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। जीवन में सुख-शांति आएगी और व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिल सकते हैं।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी प्रोजेक्ट या काम के चलते आपकी चिंता भी बढ़ सकती है। ऐसे में धैर्य रखना जरूरी होगा। नौकरी करने वालों पर काम का प्रेशर बढ़ सकता है।

कर्क

आज आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि, आपको थोड़ा धन भी खर्च करना पड़ सकता है। अगर कार्यक्षेत्र में बहुत समय से आपके जरूरी काम रुके हुए थे, तो अब वे पूरे हो सकते हैं।

सिंह

आज आपको कारोबार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे बिगड़े काम भी बनने शुरु हो सकते हैं। वहीं, व्यापार में बनाई गई योजनाएं लाभकारी सिद्ध होंगी। कार्यस्थल पर स्थान परिवर्तन के योग हैं, जिनसे आपको एक नया मोड़ मिल सकता है।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में कुछ सहकर्मी आपसे सहायता मांगने आ सकते हैं। ऐसे में आपको सभी का सम्मान करना होगा और उनका मार्गदर्शन करना लाभदायक सिद्ध हो सकता है। यही लोग भविष्य में आपके सहयोगी बन सकते हैं।

तुला

आज कार्यक्षेत्र और पारिवारिक मामले में दिन आनंददायक व्यतीत होगा। आपके सुखों में वृद्धि होगी और आर्थिक मामलों में भी लाभ होने के संकेत हैं। ऐसे में आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार में योजनाएं आगे बढ़ सकती हैं। आपके बिगड़े हुए काम किसी मित्र की सलाह और सहयोग से पूरे हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज व्यापार के मामले में आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। आप अपने कुछ बिगड़े कार्यों को सुधारने के लिए योजनाएं बना सकते हैं, जिसमें ज्यादा व्यस्त रहेंगे।

धनु

आज आपका दिन आर्थिक मामलों में उत्तम रहने वाला है। मुनाफा कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे और अचानक पड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है। इसी के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती जाएगी। कार्यक्षेत्र में अपनी समझदारी और चतुराई से आप सभी समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं।

मकर

आज कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज के सिलसिले में या प्रोजेक्ट के चलते ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। व्यापार और कारोबार के क्षेत्र में आपको अधिक ध्यान देना होगा। प्रयास और मेहनत से ही सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको बिगड़े हुए कार्यों को पूरा करने के लिए भी ज्यादा समय निकालना पड़ सकता है।

कुंभ

आज व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। जिससे सभी रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी लाभ होगा और धन प्राप्ति की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यापार में सफलता हासिल होगी।

मीन

आज आपका दिन आर्थिक मामलों में मिलाजुला रहने वाला है। सोच-समझकर निर्णय लेने से लाभ हो सकता है। लेकिन कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और नौकरी करने वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

1 लाख करोड़ का ग्रॉस लोन बुक हासिल करने का रोडमैप किया तैयार

भोपाल। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (उज्जीवन एसएफबी) ने वित्त वर्ष 2030 तक 1 लाख करोड़ रूपए की ग्रॉस लोन बुक (जीएलबी) हासिल करने के लिए अपनी रणनीतिक योजना तैयार की है। बैंक की यह योजना 2017 में स्मॉल फाइनेंस बैंक के रूप में परिचालन शुरू करने के बाद से हुई प्रगति पर आधारित है। बैंक का यह विकास लायबिलिटी फ्रेंचाइजी के निरंतर विस्तार, एसेट प्रोडक्ट सूट की पहुँच को गहरा करने और लागत-अनुकूल परिचालन के निर्माण पर केंद्रित है, जिससे उच्च और स्थायी लाभप्रदता मिल सके। विविध लोन पोर्टफोलियो- उज्जीवन अपने लोन पोर्टफोलियो में धीरे-धीरे विविधता लाया है, जहाँ वित्त वर्ष 2019 में सिक्योर्ड लेंडिंग 16% थी, वहीं वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही तक यह बढ़कर 46% हो गई है। बैंक का लक्ष्य किफायती आवास, माइक्रो मॉर्गेज, एमएसएमई लेंडिंग, वाहन वित्त, गोल्ड लोन और कृषि ऋणों में वृद्धि के साथ अपने सिक्योर्ड लोन बुक की हिस्सेदारी को लगभग 65%-70% तक बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, बैंक मिड कॉर्पोरेट लेंडिंग के लिए उत्पाद जोड़कर अपने प्रोडक्ट सूट का विस्तार करना चाहता है। हालाँकि, माइक्रो बैंकिंग पोर्टफोलियो, जिसमें मुख्य रूप से ग्रुप लोन शामिल हैं, स्केल का आधार है, लेकिन बैंक का इरादा है कि जैसे-जैसे ग्राहक प्रगति करेंगे, वे व्यक्तिगत ऋणों का पोर्टफोलियो भी बढ़ाएँगे।

भारतीय आरईआईटी का औसत प्रतिफल अमेरिका, सिंगापुर से अधिक

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) अपने यूनिटधारकों को औसतन 6-7.5 प्रतिशत का सालाना प्रतिफल दे रहे हैं, जो अमेरिका सहित कई परिपक्व बाजारों से बेहतर है। क्रेडाई और एनारॉक की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और संपत्ति सलाहकार एनारॉक ने यहां एक कार्यक्रम में भारतीय आरईआईटी - संस्थागत रियल एस्टेट का प्रवेश द्वार नामक एक रिपोर्ट जारी की। इस समय भारत में पांच सूचीबद्ध आरईआईटी हैं- ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट, एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी, माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स आरईआईटी, नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट और नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट। इस संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया, %%भारतीय आरईआईटी का औसत प्रतिफल छह प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच है, जो निश्चित आय वाले निवेश साधनों का मुकालबा करते हैं लेकिन इसमें पूंजी वृद्धि की अतिरिक्त संभावना भी है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर अन्य आरईआईटी बाजारों की तुलना में भारत अभी भी अमेरिका, सिंगापुर और जापान जैसे परिपक्व बाजारों से पीछे है। हालांकि, भारत में जोखिम-समायोजित प्रतिफल आकर्षक बने हुए हैं। एनारॉक कैपिटल के सीईओ शोभित अग्रवाल ने कहा, भारतीय आरईआईटी देर से उभरे हैं, लेकिन अब वे अग्रणी हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की तुलना में देर से प्रवेश करने के बावजूद, भारत के बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं। उन्होंने आगे कहा कि वितरण प्रतिफल अमेरिका और सिंगापुर जैसे कई परिपक्व बाजारों से काफी बेहतर हैं। अमेरिका में औसत प्रतिफल 2.5-3.5 प्रतिशत, सिंगापुर में 5-6 प्रतिशत और जापान में 4.5-5.5 प्रतिशत है। क्रेडाई के अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि जैसे-जैसे भारत के शहर विकसित होंगे, बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और अर्थव्यवस्था की विविधता बढ़ेगी, वैसे-वैसे रीट का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव निवेशकों के लिए अभूतपूर्व अवसर खोलेगा।

एसी और एलईडी लाइटों के लिए पीएलआई योजना की अवधि बढ़ाई

अब 14 अक्तूबर तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएलआई स्कीम या प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन) भारत सरकार की एक पहल है। जिसका मकसद विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू मैन्युफेक्चरिंग (विनिर्माण) को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।

सरकार ने एसी और एलईडी लाइटों के लिए पीएलआई योजना के लिए आवेदन विंडो 30 दिनों के लिए फिर से खोल दी है। यह विंडो अब 15 सितंबर से 14 अक्टूबर तक खुली रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, %सफेद चीजों के लिए पीएलआई (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन) योजना के तहत आवेदन विंडो फिर से खोली जा रही है। उद्योगों के अधिक निवेश करने की इच्छा के आधार पर यह फैसला किया गया है। यह योजना वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2028-29 तक सात वर्षों की अवधि में क्रियान्वित की जाएगी और इसका कुल खर्च 6,238 करोड़ रुपये है। एलईडी और एसी के क्षेत्र में पीएलआई योजना का यह चौथा चरण है।

सरकार ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि आवेदन विंडो बंद होने के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदक अधिकतम दो वर्षों के लिए पीएलआई योजना के लिए पात्र होंगे। अब तक, पीएलआई योजना के तहत 10,406 करोड़ रुपये के निवेश वाले 83 आवेदकों को चुना गया है। बयान में कहा गया है कि इस निवेश से एयर कंडीशनर और एलईडी लाइटों के घटकों का निर्माण होगा, जिसमें वे घटक भी शामिल हैं जिनका फिलहाल भारत में पर्याप्त मात्रा में निर्माण नहीं होता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7 अप्रैल, 2021 को इस योजना को मंजूरी दी थी। पीएलआई स्कीम या प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन) भारत सरकार की एक पहल है। जिसका मकसद विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू मैन्युफेक्चरिंग (विनिर्माण) को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। इस योजना को पहली बार 2020 में पेश किया गया था और यह उन कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है जो भारत में निवेश करती हैं।

भारत की नं. 1 ईवी सुरक्षा के नए स्तर पर - एडीएएस के साथ लॉन्च हुई नेक्सान.ईवी

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े 4-व्हीलर ईवी निर्माता और देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति के अग्रदूत टाटा.ईवी ने आज घोषणा की है कि नेक्सान.ईवी 45 में अब एडवांस एडीएएस सुरक्षा तकनीक जोड़ी गई है। प्रीमियम आकर्षण को और बढ़ाते हुए कंपनी ने इसमें रियर विंडो सनशेड और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स भी शामिल किए हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतर वैल्यू मिलेगी। इसके साथ ही, टाटा.ईवी ने नेक्सान.ईवी डीएआरके एडिशन भी लॉन्च किया है, जो पोर्टफोलियो में स्टाइल और एक्सक्लूसिविटी को और ऊंचाई पर ले जाता है। विवेक श्रीवास्तव ने कहा, टाटा.ईवी में हम लगातार अपने प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि ग्राहकों के लिए उनका अनुभव और भी सार्थक हो। नेक्सान.ईवी इस बात का सटीक उदाहरण है कि हम कैसे इसके आकर्षण और वैल्यू को लगातार बढ़ाते रहे हैं। अब एडीएएस सुरक्षा तकनीक और डीएआरके एडिशन की शुरुआत के साथ, हम नेक्सान.ईवी में एक अलग और सॉफिस्टिकेटेड ब्यूटी लेकर आए हैं। साथ ही, इसकी सुरक्षा और प्रीमियम पहचान को और मजबूत किया है। नेक्सान.ईवी हमारे बेस्ट-इन-क्लास फीचर्स प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और यह हमारे इनोवेशन के माध्यम से मोबिलिटी इंडस्ट्री को लीड करने के मिशन को गति देता है। नेक्सान.ईवी 45 लाइन-अप में नया जोड़ा गया डीएआरके एडिशन पूरी तरह से ब्लैक थीम के साथ आता है। इसमें एक्सटीरियर पर डार्क फिनिश और इंटीरियर में ऑल-ब्लैक लेदर सीट्स दिए गए हैं। यह मॉडल ष्ट75 रियल-वर्ल्ड रेंज 350-370 किमी और फास्ट चार्जिंग (20%-80% केवल 40 मिनट में, 15 मिनट में 150 किमी की रेंज) के साथ उपलब्ध है। इसमें बेस्ट-इन-क्लास फीचर्स जैसे पैनोरमिक सनरूफ, व्हीकल-टू-व्हीकल चार्जिंग, व्हीकल-टू-लोड टेक्नोलॉजी, 31.24 सेमी हरमन टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 26.03 सेमी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए एक्सक्लूसिव यूआइ/यूएक्स, रियर विंडो सनशेड और एम्बिएंट लाइटिंग भी शामिल हैं।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऑल-न्यू विंगर प्लस

प्रीमियम पैसेंजर मोबिलिटी में नए मानक स्थापित किये

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन कंपनी, टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू 9-सीटर टाटा विंगर प्लस को लॉन्च किया है। इस गाड़ी को स्टाफ परिवहन और लगातार वृद्धि कर रहे ट्रैवल व टूरिज्म सेगमेंट के लिए बनाया गया है। विंगर प्लस यात्रियों को आरामदायक, और आधुनिक यात्रा का अनुभव देता है। यह काफी स्पेशियस भी है। यह फ्लीट मालिकों को कम खर्च में बेहतर दक्षता और मुनाफा प्रदान करता है। इसकी कीमत . 20.60 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) है। अपने शानदार डिज़ाइन, फीचर्स और टेक्नोलॉजी के साथ, यह सेगमेंट में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

विंगर प्लस में सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स दिए गए हैं, जिसमें रिक्लाइनिंग कैप्टन सीट्स, एडजस्टेबल आर्मरेस्ट, पर्सनल यूएसबी चार्जिंग पॉइंट्स, इंडीविजुअल एसी वेंट्स और पर्याप्त लेग स्पेस शामिल है। इसका चौड़ा केबिन और बड़ा लगेज कम्पार्टमेंट लंबी यात्राओं में आराम को और बढ़ाता है। मोनोकॉक चेसिस पर निर्मित यह वाहन जबर्दस्त सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करता है, जबकि इसकी कार जैसी राइड और हैंडलिंग से ड्राइवरों को ड्राइविंग में आसानी होती है और उन्हें कम थकान होती है।

नए विंगर प्लस को पेश करते हुए, श्री आनंद एस, वाइस प्रेसिडेंट और हेड - कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस, टाटा मोटर्स ने कहा, विंगर प्लस को यात्रियों के लिए प्रीमियम अनुभव और फ्लीट ऑपरेटरों के लिए आकर्षक मूल्य प्रस्ताव प्रदान करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है। इसकी बेहतर राइड कम्फर्ट, सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ फीचर्स और अग्रणी दक्षता के साथ, यह लाभप्रदता बढ़ाने और सबसे कम स्वामित्व लागत प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत का पैसेंजर मोबिलिटी परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है- शहरी केंद्रों में स्टाफ परिवहन से लेकर देश भर में पर्यटन की बढ़ती मांग तक। विंगर प्लस इस विविधता को पूरा करने के लिए बनाया गया है, जो कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में नए मानक स्थापित करता है।

सैमसंग ने भारत में खूबसूरत फ्लोरल डिजाइन

बेहतरीन प्रदर्शन के साथ सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज पेश की

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज 183 लीटर की नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज लॉन्च की। यह रेंज उन भारतीय परिवारों के लिए बनाई गई है, जो किफायती और स्टाइलिश फ्रिज चाहते हैं। इसमें आठ नए मॉडल हैं, जो बेगोनिया और वाइल्ड लिली नाम के दो फूलों वाले डिज़ाइन में उपलब्ध हैं। ये फ्रिज लाल और नीले रंगों में 3 स्टार व 5 स्टार एनर्जी रेटिंग्स के साथ मिलेंगे। यह रेंज आकर्षक डिज़ाइन, आधुनिक फीचर्स और शानदार ड्यूरैबिलिटी के साथ आती है, जो इसे रोज़मर्रा के लिए स्टाइलिश और भरोसेमंद बनाती है।

खूबसूरती को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई, नई सिंगल डोर रेंज आधुनिक भारतीय घरों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। बेगोनिया और वाइल्ड लिली फ्लोरल पैटर्न रसोई के लुक को बेहतर बनाने के लिए बनाए गए हैं, जबकि स्लीक ग्रैंडे डोर डिज़ाइन के साथ बार हैंडल प्रीमियम अनुभव और सुविधाजनक उपयोगिता सुनिश्चित करता है। जीवंत रंगों और आकर्षक पैटर्न के साथ, ये रेफ्रिजरेटर केवल उपकरण नहीं हैं, बल्कि स्टेटमेंट पीस हैं जो सुंदरता और कार्यक्षमता को सहजता से जोड़ते हैं। सैमसंग

इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट, घुफरान आलम ने कहा, हमारी इस नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज के साथ, हम सैमसंग के डिज़ाइन और तकनीक को मिलाकर एक ऐसा प्रोडक्ट ला रहे हैं जो सुंदर भी है और बढ़िया काम भी करता है। फ्लोरल पैटर्न वाले सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर भारतीय ग्राहकों को बहुत पसंद हैं, जो हमारी कुल सिंगल डोर बिक्री का 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा हैं। भारतीय ग्राहक अब ऐसे उपकरण चाहते हैं जो उनके घर की सजावट के साथ अच्छे लगें और शानदार प्रदर्शन भी करें। यह नई रेंज यही देती है- स्टाइल, सुविधा और लंबे समय तक भरोसेमंद काम।नई रेंज में कई शानदार फीचर्स हैं जोकि रोज़ाना के कामों को आसान बनाते हैं। 20 साल की वारंटी के साथ डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर शांत संचालन, ऊर्जा दक्षता और समय के साथ विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। स्टेबलाइज़र-फ्री ऑपरेशन के साथ, रेफ्रिजरेटर वोल्टेज उतार-चढ़ाव में भी स्थिर रूप से चलता है, जिससे यह इलेक्ट्रिकल डैमेज़ से सुरक्षित रहता है। अंदर, एक चमकदार एलईडी लैंप हर एंगल को रोशन करता है। यह पारंपरिक बल्ब की तुलना में काफी कम बिजली की खपत करता है और अधिक समय तक चलता है।

टफन्ड ग्लास शेल्व्स 175 किलोग्राम तक वजन सहन कर सकते हैं और भारी बर्तनों और पैन के लिए आदर्श हैं। चुनिंदा मॉडलों में 11.8 लीटर की अतिरिक्त स्टोरेज क्षमता वाला बेस स्टैंड ड्रॉअर भी है, जो प्याज और आलू जैसे सूखे सामानों को व्यवस्थित और कूलिंग स्पेस से अलग रखने के लिए उपयुक्त है।

सैमसंग टीवी प्लस पर ईटीवी नेटवर्क के चार नए चैनल, मनोरंजन हुआ और भी मज़ेदार

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग टीवी प्लस, भारत में उपलब्ध फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीवी सेवा, ने अपने कंटेंट पोर्टफोलियो में ईनाडु टेलीविज़न के चार नए चैनल जोड़ने की घोषणा की है। इस साझेदारी के साथ, सैमसंग टीवी प्लस के मज़बूत कैटलॉग में अब 150 से अधिक एफएएसटी चैनल शामिल हो गए हैं, जो भारतीय दर्शकों को विविधतापूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाला नया मनोरंजन अनुभव प्रदान करेंगे। ईटीवी नेटवर्क भारत की चुनिंदा और भरोसेमंद प्रसारण कंपनियों में से एक है। सैटेलाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद इस नेटवर्क की विस्तृत कंटेंट लाइब्रेरी में न्यूज़, म्यूज़िक, युवाओं के लिए विशेष शो और कॉमेडी जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम शामिल हैं, जो पिछले दो दशकों से हर वर्ग के दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। सैमसंग टीवी प्लस में साउथईस्ट एशिया और इंडिया के बिज़नेस डेवलपमेंट के जनरल मैनेजर कुणाल मेहता ने कहा, हमारा उद्देश्य दर्शकों और विज्ञापनदाताओं को सैमसंग टीवी प्लस प्लेटफॉर्म पर बेजोड़ एक्सेस और बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है। ईटीवी नेटवर्क के नए एफएएसटी चैनल्स को शामिल कर हम दक्षिण भारत के दर्शकों तक अपनी पहुँच और मज़बूत करना चाहते हैं, ताकि उन्हें तेलुगु मनोरंजन की दुनिया का नवीनतम कंटेंट आसानी से मिल सके। यह साझेदारी हमारे इस विज़न को और सशक्त बनाती है। ईनाडु टेलीविज़न प्रा. लि. के सीईओ के. बापिनीडु ने कहा, ईटीवी नेटवर्क में हमारा उद्देश्य हमेशा विविधतापूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन प्रस्तुत करना रहा है, जो हर आयु वर्ग के दर्शकों को आकर्षित करे। कनेक्टेड टीवी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, हम सैमसंग टीवी प्लस पर अपने चार नए एफएएसटी चैनल (ईटीवी न्यूज़, ईटीवी जोश, ईटीवी म्यूज़िक और ईटीवी कॉमेडी) लॉन्च करके अपनी डिजिटल उपस्थिति को और मज़बूत बना रहे हैं। हमारी कंटेंट-फर्स्ट रणनीति हमेशा दर्शकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर निरंतर नवाचार, परीक्षण और सुधार पर केंद्रित रहती है।

जियार्जियो अरमानी की मौत के बाद 11.8 अरब डॉलर की वसीयत का खुलासा

● अरमानी के करीब लियो डेल ऑर्को और भातीजे-भतीजी को क्या मिलेगा? ● अरमानी का 91 वर्ष की आयु में 4 सितंबर को निधन हो गया।

नई दिल्ली, एजेंसी। इतालवी डिजाइनर जियार्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में 4 सितंबर को निधन हो गया। उन्होंने बीते पांच दशकों में कई मिलियन यूरो का फैशन साम्राज्य खड़ा किया था। अरमाकी की मौत के बाद उनके वसीयत से जुड़ी जानकारी सामने आई है, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

फैशन जगत के दिग्गज जियोर्जियो अरमानी का 4 सितंबर को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन के बाद शुक्रवार को उनके 11.8 अरब डॉलर के लग्जरी समूह की वसीयत सार्वजनिक की गई। अरमानी ने अपनी वसीयत में एक बड़े लक्जरी समूह से अपनी कंपनी में हिस्सेदारी लेने का अनुरोध किया है। इन संभावित खरीदारों के रूप में एलवीएमएच, एस्सिलोरलक्सोटिका या लोरियल का जिक्र किया गया है। अरमानी ने अपनी वसीयत में और क्या-क्या कहा है आइए जानते हैं विस्तार से।

इतालवी डिजाइनर जियार्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में 4 सितंबर को निधन हो गया। उन्होंने बीते पांच दशकों में कई मिलियन यूरो का फैशन साम्राज्य खड़ा किया था और

उसपर सख्त नियंत्रण बनाए रखा। उनके विशाल साम्राज्य में हाउते कॉउचर से लेकर होटल तक शामिल थे।

एक इतालवी प्रेस की ओर से प्रकाशित अपनी वसीयत में अरमानी ने इच्छा जताई है कि जिस फाउंडेशन को कंपनी विरासत में मिलेगी। उसे 15 प्रतिशत हिस्सेदारी एक प्रमुख फैशन हाउस को बेच देनी चाहिए। उन्होंने फ्रांसीसी लक्जरी दिग्गज एलवीएमएच, सौंदर्य प्रसाधन समूह लोरियल और आईवियर कंपनी एस्सिलोरलक्सोटिका का जिक्र अपने पसंदीदा खरीदारों के रूप में किया है। हालांकि अरमानी ने कहा है कि इसी स्तर की कोई अन्य कंपनी भी उन्हें स्वीकार्य होगी। लोरियल, जो 1988 से अरमानी परफ्यूम और सौंदर्य प्रसाधन बेच रहा है ने शुक्रवार को कहा कि वह इस बात से अत्यंत प्रसन्न और गौरवान्वित है कि अरमानी ने समूह को एक संभावित हितधारक माना है। लोरियल ने कहा है कि वह इस संभावना पर सावधानीपूर्वक विचार करेगा। वसीयत के अनुसार नया शेयरधारक गुरुवार को वसीयत खुलने के तीन से पांच साल के भीतर समूह में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद सकेगा। ऐसा नहीं होने की स्थिति में अरमानी ने अनुरोध किया है कि उनकी कंपनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर दी जाए। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि अरमानी फाउंडेशन के पास 30.1 प्रतिशत शेयर बने रहे।

मिलान स्थित इस डिजाइनर की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने अपनी पूरी कंपनी अपनी फाउंडेशन को दे दी। इसका प्रबंधन उनके सबसे करीबी व्यक्ति लियो डेल ऑर्को और उनके भतीजे-भतीजी करेंगे। वसीयत के अनुसार, फाउंडेशन के पास कंपनी के 10 प्रतिशत शेयर होंगे और शेष शेयर बिना उपयोग के अधिकार के साथ होगे। फाउंडेशन के पास 30 प्रतिशत मतदान अधिकार होंगे। 40 प्रतिशत डेल ऑर्को को और 15-15 प्रतिशत उनकी भतीजी सिल्वाना अरमानी और भतीजे एंड्रिया कैमेराना को आवंटित किए जाएंगे।

इसमें कहा गया है, वसीयत में स्पष्ट किया गया है कि सभी लघु और मध्यम अवधि के रणनीतिक निर्णय डेल ऑर्को और उनके परिवार के हाथों में होंगे, जिन्हें फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त होगा।

अरमानी की कार्यसमिति ने कहा- फाउंडेशन का बना प्रभाव रहेगा

एक बयान में जियोर्जियो अरमानी की कार्यकारी समिति ने जोर देकर कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, फाउंडेशन अपना मजबूत प्रभाव बनाए रखेगा। इसमें कहा गया, फाउंडेशन... कभी भी 30 प्रतिशत से कम पूंजी नहीं रखेगा। इससे वह संस्थापक के सिद्धांतों के अनुपालन का स्थायी गारंटर बन जाएगा। फोर्ब्स पत्रिका के आकलन के अनुसार जियार्जियो अरमानी की कुल संपत्ति 11.8 बिलियन डॉलर है। डिजाइनर का रियल एस्टेट साम्राज्य उनकी बहन रोसन्ना और उनकी भतीजी और भतीजे को विरासत में मिला। लेकिन डेल ऑर्को ने फ्रांस में सेंट ट्रोपेज, स्विट्जरलैंड में सेंट मोरित्ज और एंटीगुआ व पैन्टेलेरिया द्वीपों पर स्थित संपत्तियों का उपयोग बरकरार रखा है। अरमानी की कई महीनों तक बीमार रहने के बाद 4 सितंबर को मौत हो गई। उनके अवशेषों को पियासेंजा के निकट रिवाल्टा के पारिवारिक मकबरे में उनके परिवार के साथ दफनाया गया है। इसी शहर में डिजाइनर का जन्म हुआ था।

दुबई नहीं, अमेरिका में मिल रहा है सबसे सस्ता सोना!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी सोचते हैं कि दुनिया में सबसे सस्ता सोना सिर्फ दुबई में मिलता है तो अब आपकी यह धारणा बदल सकती है। हाल ही के आंकड़ों के अनुसार कुछ ऐसे देश भी हैं जहां सोने की कीमतें दुबई से भी कम हैं। आइए जानते हैं कि कौन से देश सबसे सस्ते सोने की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं और वहां सोने का क्या रेट चल रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला अमेरिका इस समय सोने की खरीद के लिए सबसे किफायती देश बनकर उभरा है। यहां 24 कैरेट सोना 8,586 प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 7,874 प्रति ग्राम के रेट पर मिल रहा है।

सोना खरीदने के मामले में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। यहां 24 कैरेट सोना 8,602 प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 7,889 प्रति ग्राम में उपलब्ध है। यहां सोने की मांग स्थिर बनी हुई है जिसके कारण कीमतें भी संतुलित हैं।

क्या है इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप और इसके फायदे

भारत के छात्र भी विदेशों में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कई संस्थान ऐसे हैं जो विदेशों में पढ़ाई करने के लिए स्कॉलरशिप देते हैं। उन्हीं स्कॉलरशिप में से एक है इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप। इस स्कॉलरशिप की मदद से कोई भी छात्र किसी भी यूरोपीय यूनिवर्सिटी और देशों में पोस्ट ग्रेजुएशन और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही छात्र इस स्कॉलरशिप की मदद से दो साल की पढ़ाई के बाद इंटर्नशिप करने का भी मौका प्राप्त कर सकते हैं।

हर स्कॉलरशिप को प्राप्त करने के लिए एक निर्धारित योग्यता पर खरा उतरना पड़ता है ठीक उसी प्रकार इस स्कॉलरशिप को प्राप्त करने के लिए छात्रों को कुछ मानकों पर खुद को योग्य साबित करना होगा। नीचे एक-एक कर के आप इस स्कॉलरशिप को प्राप्त करने की योग्यता को जान सकते हैं।

- जो भी छात्र या उम्मीदवार इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना चाहता है वह इस बात को सुनिश्चित करें कि उनका IELTS में 6.5 बैंड स्कोर हो।
- इस स्कॉलरशिप की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई उम्र सीमा तय नहीं की गई है। योग्य उम्मीदवार होने के लिए आवश्यकता है कि स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षों की शिक्षा पूरी कर ली हो। ऐसा इसलिए है ताकि किसी भी उम्र में अपनी पढ़ाई को पूरा किया जा सके।
- आवेदन करने वाले उम्मीदवार इस बात का खास ध्यान रखें कि प्रोग्राम के अनुसार दो लेटर ऑफ रिकमेंडेशन यानी सिफारिश के दो पत्रों की आवश्यकता होगी। उम्मीदवारों को वेबसाइट पर इसके विषय में अधिक जानकारी प्राप्त होगी।
- एक सार्वजनिक वकील द्वारा प्रमाणित निवास प्रमाण पत्र, यह सुनिश्चित करता है कि आवेदक पिछले पांच वर्षों में एक या एक वर्ष से यूरोप में नहीं रह रहा है।
- यह आवश्यक है कि आवेदक के पास लेटर ऑफ मोटिवेशन मौजूद हो।

स्कालरशिप के फायदे

- इस स्का़लरशिप को प्राप्त करने वाले छात्र या उम्मीदवार को प्रति महीने 1100-1500 यूरो का स्टाइपन दिया जाएगा।
- इसके साथ ही स्कॉलरशिप प्राप्तकर्ता को मास्टर्स या पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्क वीजा भी दिया जाएगा।

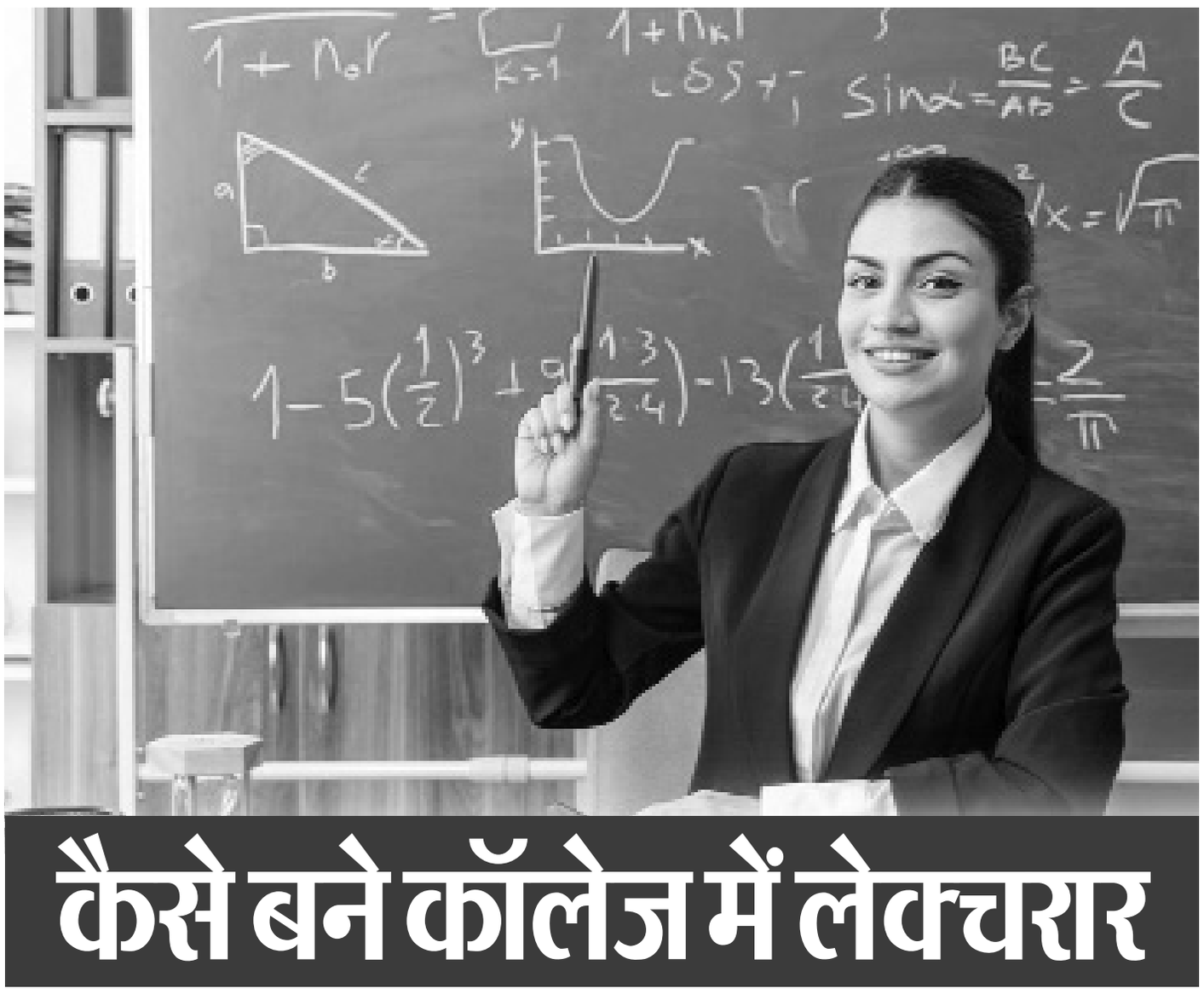

कैसे बने कॉलेज में लेक्चरार

एक अच्छा शिक्षक ही सम्पूर्ण देश के भविष्य का निर्माण करता है, आपको बता दे की शिक्षा से ही हमें जीवन में सफलता मिलती है आवर देश में शिक्षा का स्तर जितना अच्छा होगा वह देश उतना ही विकसित होगा, भारत में शिक्षक का पद बहुत ही सम्मानजनक पद होता है, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए व्यक्ति में व्यक्तिगत गुण होने चाहिए, इन व्यक्तिगत गुणों को अच्छे से प्रशिक्षण के द्वारा विकसित किया जाता है, भारत सरकार शिक्षा व्यवस्था में बेसिक स्तर से कॉलेज स्तर तक बदलाव कर रही है, इसी परिवर्तन के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का पुनर्गठन किया जा रहा है, अगर आप कॉलेज में लेक्चरर बनने के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो पढ़ें।

प्रमोशन के अवसर

कॉलेज प्रोफेसर एक प्रोन्नति प्राप्त करने वाला पद होता है, आपको बता दे की इस पद के लिए सीधे चयन नहीं किया जा सकता है, इसके लिए आपके पास पीएचडी डिग्री के साथ सभी आवश्यक अनुभव होना आवश्यक है, अगर आप एक प्रोफेशर बनाना चाहते है, तो आपको इस क्षेत्र में लेक्चरार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करनी आवश्यक होती है, इसके पश्चात आपका प्रोमोशन अनुभव, प्रदर्शन और वरिष्ठता के आधार पर आपको पहले असिस्टेंट प्रोफेसर और बाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाती है.

सैलरी

एक कॉलेज प्रोफेसर के रूप में 37,400-67,000 रुपये प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव

किसी कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में न्यूनतम 10 वर्ष तक पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षिक योग्यता – पीएचडी डिग्री तथा 55 प्रतिशत अंकों सहित परस्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
सैलरी – असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में 15,600-39,100 ग्रेड पे प्राप्त होता है.
कार्य अनुभव – कॉलेज/ यूनिवर्सिटी स्तर पर न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अनुभव या रिसर्च का अनुभव होना चाहिए।

लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर

शैक्षिक योग्यता – लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है.

कॉलेज टीचर बनने की प्रक्रिया

अगर आप कॉलेज टीचर बनना चाहते है, तो आपको 12वीं की परीक्षा के समय ही फैसला लेना चाहिए, ताकि आप इस दिशा में अपनी तैयारी को अच्छे से कर सके.

स्कूल स्तर पर

कॉलेज में जो भी विषय के आप प्रोफ़ेसर बनना चाहते है आपको उसी के अनुसार इंटरमीडिएट में विषय का चुनाव करना चाहिए, उस विषय के बेसिक कंसेप्ट को अच्छे से क्लियर करने का अधिक से अधिक प्रयास करे, जिससे स्नातक में आपको लाभ मिल सके.

स्नातक स्तर पर

आपको अच्छी तैयारी के लिए स्नातक में आपको वही विषय लेने चाहिए जो विषय आपने इंटरमीडिएट में पहले लिया था इससे आपको उस विषय की अच्छी जानकारी हो जाएगी और परास्नातक में आपको बहुत फायदा होगा, उन विषयों पर पकड़ आपकी इंटरमीडिएट से ही होने के कारण आपको स्नातक में अच्छे अंक प्राप्त हो सकेंगे। यह अंक आपको कॉलेज प्रोफेसर के रूप में स्क्रीनिंग प्रोसेस में बहुत ही लाभकारी सिद्ध होंगे।

परास्नातक स्तर पर

परास्नातक में आपको उस विषय का चयन करना चाहिए जिस विषय पर आपकी पकड़ सबसे अच्छी हो, और आपको रूचि अधिक हो क्योंकि यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आपको परास्नातक में कम से कम 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, अत: आपका लक्ष्य इससे अधिक अंक प्राप्त करने का होना आवश्यक है.

परास्नातक के बाद

परास्नातक पास करनें के बाद आपको यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और इसके साथ ही आप एमफिल अथवा पीएचडी डिग्री के लिए अपने विषय में रिसर्च करने के लिए आवेदन कर सकते है, यहाँ पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए की कॉलेज टीचर के रूप में चयनित होने के लिए यूजीसी नेट क्लियर करना जरुरी है, किन्तु आपको अपने विषय में डॉक्टरेट होना भी अत्यंत लाभदायक होता है, यदि आपका लेक्चरार या असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हो जाता है, तो आपको प्रोफेसर पद पर प्रमोशन प्राप्त करने के लिए पीएचडी डिग्री का होना अनिवार्य है, इसलिए आपको नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीएचडी डिग्री करना बहुत ही आवश्यक है.

यूजीसी नेट परीक्षा

यूजीसी नेट का अर्थ है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट, इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, इस परीक्षा को सफलता पूर्वक पास करने के बाद सरकारी कॉलेजों में नियुक्ति के लिए यूजीसी के द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार जून तथा दिसंबर में किया जाता है, इसके माध्यम से लेक्चरारशिप तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाती है.

आयु सीमा

लेक्चरार पद के लिए कोई आयु निर्धारित नहीं की गयी है, परन्तु जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थी के लिए आयु 21 से 28 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, एससी/ एसटी/ ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण के नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है.

दुनियाभर में भारत की नर्सों की बढ़ी डिमांड

भर-भर कर मिल रही जॉब और सैलरी

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है।

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है। बता दें कि पिछले साल 70 हजार से 1 लाख भारतीय नर्सें विदेश गई हैं। वहीं इस साल उनकी डिमांड 15-30% बढ़ने वाली है। एक्सपर्ट की मानें, तो आने वाले सालों में नर्सों की डिमांड बढ़ने वाली है। क्योंकि बूढ़ी होने वाली आबादी के कारण कई देश देखभाल के लिए नर्स चाहते हैं। इटली, जर्मनी और जापान जैसे देशों में बड़ी संख्या में नर्सों की भर्ती की जा रही है। वहीं ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भी नर्सों की नौकरियों की भरमार है। वहीं नर्सों को नौकरी देने वाले देशों में कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब आदि शामिल हैं। यह नर्स बनने के लिए सबसे अच्छा समय माना जा रहा है। दुनियाभर में करीब 6,40,000 के करीब नर्सें काम कर रही हैं।

नर्सों की कमी

एक्सपर्ट की मानें, तो भारतीय नर्सों की मांग विदेशों में काफी बढ़ी है। महीने दर महीने 20-30ब्न भारतीय नर्सों की मांग में वृद्धि हुई है। यह दिखाता है कि एक साल में नर्सों की डिमांड दोगुना हो सकती है। दुनियाभर में नर्सिंग प्रोफेशनल्स की कमी है। ड्ड।ह्र के अनुसार, साल 2030 तक 45 लाख नर्सों की जरूरत होगी। वहीं सबसे ज्यादा भारतीय नर्सों को हायर विकसित देश कर रहे हैं।

विदेश में मिल रही अच्छी सैलरी

क्वालिफाइड नर्सों के लिए विदेश में नौकरी पाना काफी आसान है। क्योंकि विदेश में उनको अच्छी सैलरी मिल रही है, साथ ही बढ़िया क्वालिटी ऑफ लाइफ, सिक्योरिटी और प्रोफेशनल ग्रोथ भी मिल रहा है। भारत की तुलना में विदेशों में भारतीय नर्सों को औसतन सात से दस गुना अधिक सैलरी मिलती है। वहीं पर्चेचिंग पावर पैरिटी के आधार पर भारत की तुलना में विदेश में मिलने वाली सैलरी तीन से पांच गुना ज्यादा है।

कैसे बने प्रोफेशनल फोटोग्राफर

आज के समय मे लोगो को सेल्फी लेने का शोक बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। और इसी के साथ प्रोफेशनल फोटोग्राफर की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है फोटो क्वालिटी में हर दिन सुधार हो रहा है, इसलिए नए कैमरों में पिक्सल की संख्या बढ़ायी जा रही है, इस समय हाई लेवल पिक्सल कैमरे की जानकारी रखने वाले प्रोफेशनल फोटोग्राफर की मांग बहुत अधिक है, इसलिए फोटोग्राफी को करियर के रूप में अपना कर अच्छी कमाई की जा सकती है। अगर आप भी फोटो लेने व सेल्फी लेने के शोकीन है और इस क्षेत्र मे अपना करियर बनाना चाहते है तो पूरी जानकारी विस्तार से बताई गई है।

शैक्षणिक योग्यता

फोटोग्राफर के क्षेत्र में जाने के लिए आपको इंटर की परीक्षा पास होना आवश्यक है, इसको डिग्री के रूप में प्राप्त करनें के लिए फाइन आर्ट्स विषय के अंतर्गत एक वैकल्पिक स्नातक उपाधि प्राप्त की जा सकती हैं, । कुछ कॉलेज इसे तीन वर्षीय स्नातक के रूप में करवाते है, और कुछ इसे पार्ट टाइम करवाते हैं।

प्रोफेशनल फोटोग्राफर की विशेष योग्यता इस क्षेत्र में व्यक्ति को प्रत्येक क्षण होने वाली घटनाओं में क्या विशेष हैं, इसको खोजना आना चाहिए। व्यक्ति में कलात्मक, पारखी नज़र व टेक्निकल नॉलेज का होना भी आवश्यक है। एक सफल फोटोग्राफर बननें के लिए कड़ी मेहनत और संयम बहुत आवश्यक है। व्यक्ति में एक ही समय में क्लाइंट, एडवर्टाइज़र, पब्लिशिंग एजेंसी और डिज़ाइनर के साथ आसानी से डील करना आना चाहिए।

फोटोग्राफर के क्षेत्र

फोटो जर्नलिस्ट– अगर आपको साहसिक कार्य पसंद हैं और कार्य को करनें के लिए समय की परवाह नहीं करतें हैं, तो इस क्षेत्र में आप बिलकुल ही उपयुक्त हैं। फोटो जर्नलिस्ट को प्रेस में रोज़ाना होनें वाली घटनाओं और न्यूज़ से संबंधित फोटोग्राफ्स देने होते है।

फीचर फोटोग्राफर्स – फीचर फोटोग्राफर्स को फोटोग्राफ्स के माध्यम से कहानी को समझाना होता है, इसमे करियर बनाने के लिए आपको अपने विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।

फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी – फैशन व एडवर्टाइज़िंग फोटोग्राफी के अंतर्गत फोटोग्राफर्स को फैशन हाउस, डिज़ाइनर्स या मॉडल्स के साथ काम करना होता है, इसकें लिए लेटेस्ट फैशन, ट्रेंड की जानकारी होनी आवश्यक हैं।

इवेंट फोटोग्राफी– इसमें फोटोग्राफर को शादी, स्पोर्ट्स, फैमिली फंक्शन में फोटोग्राफी करते हुए अच्छी इनकम के साथ इवेंट एन्जॉय करने का भी अवसर प्राप्त होता है।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स – वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर्स के अंतर्गत व्यक्ति को प्रकृति और वन्य जीवो के बीच में रहकर फोटोग्राफी करनी होती हैं, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी एक रोमांचक करियर ऑप्शन है।

सैलरी

फोटोग्राफी के क्षेत्र में आप स्वयं का स्टूडियो खोल सकते हैं या किसी प्रोफेशनल फोटोग्राफर के साथ असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते है। फ्रेशर के रूप में आपकी इनकम 5000 से 8000 रुपये के मध्य हो सकती है, अगर आप स्वयं का स्टूडियो खोल रहें है, तो आप 100,000 से 500,000 रु0 इन्वेस्ट करके 20000 से 35000 रु0 प्रतिमाह तक कमाई कर सकते है। जो की आपके काम और मेहनत पर निर्भर करता है।

मेघना ने विश्व कप में पहला पदक दिलाया, भारत पांचवें स्थान पर रहा

निंगबो (चीन), एजेंसी। मेघना ने फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा, जिन्होंने 255.3 के स्कोर के साथ हमवतन वांग ज़िफ़ेई के 254.8 के स्कोर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। मेघना सज्जनार ने रविवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक के साथ विश्व कप में अपना पहला पदक जीता, जिससे भारत ने सत्र के अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) में पांचवें स्थान पर रहकर अपने अभियान का अंत किया।

मेघना ने फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा, जिन्होंने 255.3 के स्कोर के साथ हमवतन वांग जिफेई के 254.8 के स्कोर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड ने रजत पदक जीता।

शनिवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर, जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रविवार की सुबह मेघना ने दूसरी क्वालीफिकेशन रैली में 632.7 का स्कोर बनाकर सातवां, जबकि पेंग ने 637.4 का शानदार स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। चीनी खिलाड़ी ने 24 शॉट के फाइनल की शुरुआत 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ की, जबकि मेघना पांच एकल शॉट की पहली सीरीज के बाद आठ महिलाओं की श्रेणी में सबसे निचले स्थान पर थीं।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरी सीरीज में 52.3 अंक बनाकर अच्छी वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 अंक हासिल कर चौथा स्थान हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में हालांकि, पहले नीलिंग पोजीशन और फिर दूसरे प्रोन पोजीशन में उनकी शुरुआत बेहद खराब रही, जिसके कारण वे 40 शॉट के बाद 406.7 स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले ने 587 अंक बनाकर कुल 21वां और पदक दावेदारों में 19वां स्थान हासिल किया। बाबू सिंह पंवार 583 अंक के साथ उनसे पीछे रहे। महिलाओं की एयर राइफल में ओलंपियन रमिता जिंदल 629.8 अंक के साथ कुल 22वें और पदक के दावेदारों में 16वें स्थान पर रहीं, जबकि कशिका प्रधान ने 626.6 अंक बनाए।

विश्व कप राइफल/पिस्टलः

मेघना सज्जनार ने विश्व कप में जीता पहली बार पदक

चीन और नॉर्वे के बाद पांचवें स्थान पर रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की मेघना सज्जनार ने चीन के निंगबो में 14 सितंबर 2025 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक के साथ अपना पहला विश्व कप पदक जीता। उनके इस पदक के साथ भारत सीजन के अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में पांचवें स्थान पर रहा। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

मेघना ने आठ वर्षों में अपने पहले विश्व कप फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक हासिल किया। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड ने रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा। पेंग शिनलू ने 255.3 के स्कोर के साथ विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने हमवतन वांग जिफेई के 254.8 के स्कोर को पीछे छोड़ दिया।

इससे पहले ईशा सिंह ने शनिवार 13 सितंबर 2025 को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत को इस स्पर्धा का पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। मेघना ने रविवार सुबह दूसरी क्वालिफिकेशन रैली में 632.7 का शानदार स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि पेंग ने 637.4 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। चीनी खिलाड़ी ने 24 शॉट के फाइनल की शुरुआत 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ की, जबकि पांच सिंगल शॉट्स की पहली सीरीज के बाद मेघना आठ महिलाओं की श्रेणी में सबसे निचले स्थान पर थीं। 52.3 के मजबूत दूसरे सीरीज के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया और अगले 10 सिंगल शॉट्स में अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने 10.2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें उनके 12वें शॉट के लिए महत्वपूर्ण 10.9 का स्कोर भी शामिल था, जिससे इस स्तर पर उनका पहला पदक पक्का हो गया। व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट मारिया वासिलेवा 19वें शॉट से पहले सिर्फ 0.3 अंक पीछे थीं, इसलिए मेघना को अभी थोड़ा और काम करना था, लेकिन दो 10.4 अंकों ने मारिया की उम्मीद पर पानी फेर दिया।

प्रो कबड्डी लीग-12

जयपुर पिंक पैंथर्स ने यूपी योद्धाज को 41-29 से हराया, नितिन का सुपर-10

जयपुर , एजेंसी। जयपुर पिंक पैंथर्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग सीजन-12 में अपनी पहली घरेलू जीत दर्ज की। टीम ने यूपी योद्धाज को 41-29 से हराया। नितिन कुमार ने सुपर-10 जबकि अली सामदी ने 9 अंक बनाए। डिफेंस में रेजा मिरबघेरी ने चार टैकल अंक जुटाए। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपी योद्धाज को 41-29 से मात देकर पहली घरेलू जीत दर्ज की। जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में जयपुर ने दमदार खेल दिखाया। रेडिंग में नितिन कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर-10 पूरा किया। उनके साथ ईरानी ऑलराउंडर अली सामदी ने 9 अंक अपने नाम किए। डिफेंस में भी टीम बेहद सशक्त नजर आई। रेजा मिरबघेरी ने चार टैकल अंक जुटाए, जबकि दीपांशु खत्री और आर्यन कुमार ने तीन-तीन अंक लेकर विपक्षी रेडरों को रोकने में अहम भूमिका निभाई।

मुकाबले की शुरुआत यूपी योद्धाज के लिए अच्छी रही। शिवम चौधरी ने बोनस अंक से खाता खोला, जबकि भवानी राजपूत और गगन गौड़ा ने लगातार रेड अंक लेकर टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन जल्द ही नितिन और सामदी ने जयपुर को वापसी कराई। सामदी की दो अंकों की रेड और मिरबघेरी के टैकल ने पहला ऑल-आउट कराया और जयपुर ने तीन अंकों की बढ़त हासिल कर ली।

पहले हाफ में जयपुर ने पूरी तरह दबदबा बनाया और 23-12 की मजबूत बढ़त ले ली। दूसरे हाफ में यूपी के स्टार रेडर गगन गौड़ा ने जोरदार संघर्ष करते हुए लगातार अंक जुटाए और सुपर-10 पूरा किया। कप्तान सुमित सांगवान ने भी चार टैकल अंक लिए, लेकिन जयपुर का डिफेंस लगातार मजबूती से खड़ा रहा। दीपांशु खत्री के सुपर टैकल ने यूपी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। अंतिम क्वार्टर में पिंक पैंथर्स ने खेल की रफ्तार नियंत्रित रखते हुए बढ़त बनाए रखी। आखिरी पलों में नितिन कुमार ने एक और सफल रेड करते हुए सुपर-10 पूरा किया और निर्णायक ऑल-आउट कराया। नतीजतन जयपुर ने मुकाबला 41-29 से जीतकर अपने घरेलू दर्शकों को जश्न का मौका दिया।

भारतीय महिला बॉक्सर जैस्मिन लंबोरिया ने रचा इतिहास, विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर महिला बॉक्सर जैस्मिन लंबोरिया ने इतिहास रचा. उन्होंने फाइनल में पोलैंड की जूलिया को हराया. वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर जैस्मिन लंबोरिया बड़ी उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने 57 किलोग्राम वर्ग के खिताबी मुकाबले में पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को हराकर इतिहास रचा. पोलैंड की इस खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीता था. फाइनल की बात करें तो लंबोरिया पहले राउंड में पिछड़ रही थी, लेकिन दूसरे राउंड में उन्होंने शानदार वापसी की. जैस्मिन ने पोलैंड की मुक्केबाज जूलिया को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता. बता दें कि विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में किसी भारतीय पुरुष ने पदक नहीं जीता. 12 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब पुरुष मुक्केबाज बिना पदक लिए लौटे हैं. जदुमणि सिंह को कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे ने 4-0 से मात दी. जदुमणि की हार के साथ ये कंफर्म हुआ कि भारतीय पुरुष दल खाली हाथ लौटेगा ।

अभय सिंह मिस्र ओपन के दूसरे दौर में हारे; बाईचुंग ने की खालिद जमील की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जमील की नियुक्ति पर बोलते हुए भूटिया ने कहा, खालिद जमील ने अच्छी शुरुआत की है। मेरा एक ही सुझाव है, उनके लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत जरूरी है। कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अभय सिंह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में नाकाम रहे और गीजा में चल रही 366,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए वर्ल्ड टूर डायमंड स्क्वाश प्रतियोगिता मिस्र ओपन के राउंड ऑफ 32 में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से हार गए।

दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले दौर में दुनिया के 17वें नंबर के फ्रांसीसी खिलाड़ी ग्रेगोइरे मार्चे को हराया था। लेकिन वह अपना यह प्रदर्शन आगे जारी नहीं रख पाए और शनिवार की रात को खेले गए मुकाबले में मिस्र के खिलाड़ी से 40 मिनट में 4-11, 10-12, 11-5, 7-11 से हार गए।

फिट इंडिया संडे में बाईचुंग भूटिया का बयान – भारत के पूर्व फुटबॉलर और कप्तान बाईचुंग भूटिया रविवार को दिल्ली में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 40वें संस्करण में शामिल हुए, जहां उन्होंने खालिद जमील की भारत के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति से लेकर फुटबॉल प्रशासन जैसे कई विषयों पर बात की। जमील ने हाल ही में भारत को सीएएफए नेशंस कप में तीसरे स्थान पर पहुंचाया, जहां उन्होंने उच्च रैंकिंग वाले ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 1(3)-1(2) से हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता।

जमील की नियुक्ति पर बोले बाईचुंग भूटिया – जमील की नियुक्ति पर बोलते हुए भूटिया ने कहा, खालिद जमील ने अच्छी शुरुआत की है। मेरा एक

ही सुझाव है, उनके लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत जरूरी है। कभी-कभी टीम इंडिया अच्छा प्रदर्शन करती है, लेकिन अगले मैच में उनका प्रदर्शन बिगड़ जाता है। मुझे लगता है कि भारत के लिए विश्व कप और एशिया कप के लिए क्वालिफाई करना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

भूटिया ने इगोर स्टिमैक की तारीफ की – इगोर स्टिमैक के बारे में भूटिया ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। भूटिया ने कहा, मुझे लगता है कि इगोर स्टिमैक के मामले में, भारतीय टीम ने लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वह कई वर्षों तक हमारे साथ रहे और उनके कार्यकाल में हमने प्रदर्शन के मामले में काफी सुधार देखा है, भले ही रैंकिंग में ज्यादा सुधार न हुआ हो, लेकिन मनोलो मार्केज थोड़े समय के लिए ही टीम में रहे और मुझे दुख है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोचों में से एक, जिनके पास इतना अनुभव है, भारतीय टीम के साथ ज्यादा समय तक नहीं रह सके।

भूटिया ने फुटबॉल प्रबंधन पर उठाए सवाल – भूटिया ने प्रशासन की भी आलोचना की, क्योंकि उनका मानना है कि यही कारण है कि भारतीय फुटबॉल को इन प्रबंधकों से कोई लाभ नहीं मिल सका। उन्होंने कहा, देखिए, अगर आप दोनों कोचों के बयान देखें, खासकर इगोर के, तो यह प्रशासन के खिलाफ एक बड़ा हमला है। दूसरे कोच को आप छह महीने तक नहीं रख सके, और वह राष्ट्रीय टीम के साथ काम नहीं करना चाहते थे, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि दुनिया भर का हर कोच राष्ट्रीय टीम के साथ काम करना चाहता है। जब आप मनोलो जैसे कोच को देखते हैं, जिन्होंने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है, तो वह पद पर बने नहीं रहना चाहते, यह प्रशासन के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

इसे कहते हैं किस्मत!

बिना कुछ किए बॉलर को मिल गया विकेट, क्रिकेट में ऐसा अजब-गजब देखा क्या?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी कुछ ऐसा हो जाता है कि उस पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही कुछ महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग मे ट्रिनबैगो नाइटराइडर्स और गुयाना अमेजन वारियर्स के बीच खेले गए मैच में हुआ। इस मैच में गुयाना की गेंदबाज मोली पेनफोल्ड को हिटविकेट के रूप में पहला विकेट मिला। ये काफी हैरान करने वाला है। मोली को ये विकेट बल्लेबाज की गलती के कारण मिला। दरअसल पारी का तीसरा ओवर करने आई मोली ने जेनिलिया ग्लासगो को एक तेज तर्रार गेंद डाला। जेनिलिया ने शॉट पिक करने की कोशिश की, लेकिन गेंद और बैट का कोई संपर्क नहीं हो पाया। इस दौरान उन्होंने बैट पर से अपना कंट्रोल खोल दिया। ऐसे में हुआ ये कि बैट हवा में उछल कर नीचे गिरी और वह विकेट से जा लगी। इस तरह बेल्स गिरते ही उन्हें वापस जाना पड़ा।

- **मोली ने मैच में लिए चार विकेट** – वहीं मोली की गेंदबाजी की बात करें तो उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। मोली ने 4 ओवर के अपने स्पेल में किफायती गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 17 रन खर्च किए। मोली के अलावा करिश्मा रामहरैक, स्टेफनी टेलर और लौरा हैरिस ने भी एक-एक विकेट लिया, जिसकी मदद से गुयाना ने टीकेआर को 7 विकेट पर 120 रन के स्कोर पर रोक दिया।
- **गुयाना ने 7 गेंद रहते ही जीत लिया मैच** – टीकेआर के खिलाफ मुकाबले में गुयाना की बल्लेबाजी में शुरुआत अच्छी नहीं रह, लेकिन स्टेफनी टेलर ने 44 गेंद में 39 रनों की पारी खेलकर टीम की जीत को सुनिश्चित कर दिया। स्टेफनी के अलावा एमी हंटर ने 31 गेंद में 27 रनों की पारी खेली। इस तरह गुयाना की टीम ने 18.5 ओवर के खेल में 125 रन बनाकर 5 विकेट से मैच को अपने नाम कर लिया।

सोचा जरूर पर हुआ नहीं, शुक्र है वरना वर्ल्ड कप मिस हो जाता

शमी ने आत्महत्या के विचारों को किया याद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि उनके मन में आत्महत्या करने के विचार आ रहे थे, लेकिन उन्होंने इस विचार को खारिज कर दिया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। रजत शर्मा के साथ आप की अदालत के एपिसोड में अपने विचार प्रकट करते हुए भारतीय स्टार तेज गेंदबाज ने कहा, सोचा जरूर पर हुआ नहीं, ये शुक्र है वरना वर्ल्ड कप मिस हो जाता मेरे से क्योंकि जब सोचा था कि मेरे दिमाग में ये समय है जिंदगी के अंत का, जिस चीज के लिए मुझे इतना नाम दिया, जिस चीज के लिए मीडिया मेरे पीछे है, उसको छोड़ के इस जंप के चक्कर में...वो सोचा, वो प्यार याद आया। सोचा चलो इसको छोड़ा, चलो गेम में लगते हैं फिर... इस साल जुलाई में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शमी को अपनी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां और बेटी को भरण-पोषण के रूप में 4 लाख रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। जहां को 1.50 लाख रुपए प्रति माह देने होंगे जबकि बेटी को 2.50 लाख रुपए प्रति माह मिलेंगे। पूर्व मॉडल हसीन जहां ने 2014 में मोहम्मद शमी से शादी की थी। इस जोड़े को 2015 में एक बेटी हुई। मोहम्मद शमी और हसीन जहां 2018 में अलग हो गए थे जब उन्होंने उन पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। घरेलू हिंसा के आरोप के बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कही गई अपमानजनक बातों के बारे में पूछे जाने पर शमी ने जवाब दिया, बुरी बातें कही

जाती हैं, लेकिन आजकल उन बातों के बारे में भी बात की जाती है जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है... मुझे सबसे ज़्यादा इसी से डर लगता है। कल मैं एक तस्वीर देख रही था और मुझे पता ही नहीं चला कि मैंने उसे कब खींच लिया था। पिछले 6-7 सालों में मुझ पर जितने आरोप लगे हैं, शायद किसी आतंकवादी पर भी इतने आरोप न लगे हों। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती।

हसीन जहां ने 2018 में क्रिकेटर पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। उन्होंने अलीपुर कोर्ट में एक याचिका दायर कर शमी और उनके परिवार पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जहां ने परिवार के भरण-पोषण के लिए तेज गेंदबाज से 7 लाख रुपए प्रति माह की मांग की थी। शमी ने आखिरी बार 2 मई को इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक प्रतिस्पर्धी मैच खेला था। वह मैच इस तेज गेंदबाज के लिए यादगार नहीं रहा था, क्योंकि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था और उन्होंने तीन ओवरों में 48 रन दिए थे। चैंपियंस ट्रॉफी अभियान में शमी जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई कर रहे थे। वह भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने 5 मैचों में 9 विकेट लिए, उनके साथ मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी थे जिन्होंने सिर्फ तीन मैचों में इतने ही विकेट लिए। शमी के प्रयासों की बदौलत भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। उन्होंने भारत के लिए आखिरी टेस्ट क्रिकेट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड में खेला था। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शमी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जाता है या नहीं।

विनेश फोगाट के बाद अब इस भारतीय रेसलर पर गिरी गाज...

ओवरवेट के चलते वर्ल्ड चैम्पियनशिप से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व रेसलिंग चैम्पियनशिप 2025 में भारतीय उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है. पेरिस ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सहरावत को इस टूर्नामेंट से डिसक्वालिफाई कर दिया गया है. अमन का वजन तय सीमा से अधिक पाया गया. अमन मेन्स फ्रीस्टाइल 57 किलो भारवर्ग में भाग लेने वाले थे.

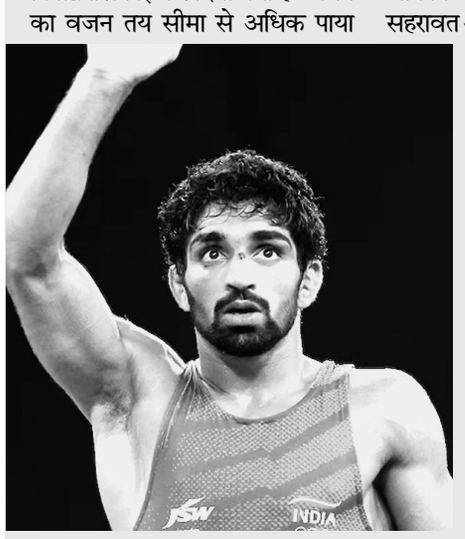

अमन सहरावत का वजन 1 किलो और 700 ग्राम ज्यादा पाया गया. नियमानुसार रेसलर का वजन उनकी कैटेगरी से बिल्कुल मेल खाना चाहिए. कुछ ही ग्राम का अंतर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर सकता है. पेरिस ओलंपिक में रेसलर विनेश फोगाट को इसी चलते फाइनल मुकाबले से पहले डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था. तब खिताबी मुकाबले से पहले विनेश का वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम ज्यादा निकला. मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाली बात है कि अमन सहरावत अपना वजन नियंत्रित नहीं रख पाए. जब अमन सहरावत वजन तौलने वाली मशीन पर कदम रखा, तो उनका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था. यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है.

छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं अमन – अमन सहरावत 25 अगस्त को अन्य भारतीय पहलवानों के साथ क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंचे थे. उनके पास वजन बनाने के लिए पर्याप्त समय था. 22 वर्षीय अमन सहरावत छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं. अमन सहरावत भारत के लिए इस बार पदक के बड़े दावेदारों में गिने जा रहे थे.

अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक (2024) में भाग लेने वाले इकलौते भारतीय पुरुष रेसलर थे. अमन ने मेन्स फ्रीस्टाइल 57 किलो भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया था. अमन ने कांस्य पदक के मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन टोई क्रूज को 13-5 से पराजित किया था.

ग्रांड स्विस 2025ः

दिव्या देशमुख नें गुकेश से खेला ड्रा, निहाल की सयुंक्त बढ़त क़ायम

समरकंद,उज्बेकिस्तान, एजेंसी। फीडे ग्रांड स्विस 2025 के आठवें राउंड में खराब लय से जूझ रहे भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश लगातार चौथे राउंड में जीटी नहीं दर्ज कर पाये हालांकि उनकी लगातार तीन हार का क्रम अंततः टूट गया और वर्तमान विश्व कैप महिला विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें गुकेश को ड्रा पर रोकते हुए नया इतिहास रच दिया , इसके साथ ही मौजूदा विश्व चैंपियन को ड्रा पर रोकने वाली दिव्या इतिहास की पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है । दिव्या नें काले मोहरो से गुकेश की हर चाल का माकूल जबाब दिया , सिसिलियन ओपनिंग में दिव्या नें 103 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में कमाल की क्षमता का परिचय दिया । इस ड्रा के कारण गुकेश पिछले दो सालों में पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस से बाहर होने के करीब पहुँच गए है ।

न्यूज डायरी

मेयर ने 50 कैप्टन्स को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत की अग्रणी बाइक-टैक्सी सेवा रैपिडो ने अपने कैप्टन्स के लिए विशेष रिवॉर्ड्स एंड रिकग्निशन प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह आयोजन चंडीगढ़ के होटल पर्ल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला मुख्य अतिथि रहीं और उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 50 कैप्टन्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम में लगभग 250-300 कैप्टन्स ने भाग लिया और मंच पर अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं।

माननीय मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला ने रैपिडो कैप्टन्स द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में, 'रैपिडो जैसे प्लेटफॉर्म न केवल युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराता है, बल्कि शहर की गतिशीलता और विकास में भी अहम योगदान देता है।,'

रैपिडो के जोनल हेड आकाश मेहता ने कहा 'हमारे कैप्टन्स की मेहनत और लगन ही रैपिडो की असली ताकत है। यह सम्मान उसी का प्रतीक है,'।

उन्होंने आगे कहा कि रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, आज 295 से ज्यादा शहरों में कार्यरत है और 50 लाख से अधिक कैप्टन्स के साथ प्रतिदिन लगभग 45 लाख यात्राओं की सुविधा प्रदान कर रहा है।

महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। इनर व्हील क्लब चंडीगढ़ सिटी ब्यूटीफुल ने टीचर्स के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर 43 स्थित मोती महल में किया। कार्यक्रम के दौरान प्रेसिडेंट सरबानी दत्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि टीचर्स का समाज एवं राष्ट्र में महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यापक ही विद्यार्थी को एक अच्छा नागरिक बनाता है। वह विद्यार्थी के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। स्कूल की वाइस प्रिंसिपल अंजू मोदगिल को सम्मानित किया। मोदगिल ने कहा कि महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, दरिया, चंडीगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका बनाए हुए है। स्कूल की प्रबंधन समिति ग्रामीण क्षेत्र में विद्यार्थियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डॉ विनोद शर्मा को भी उनके बेहतर कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। डॉ विनोद शर्मा ने बताया कि शहर के स्कूलों की तरह गांव के इस स्कूल में भी हर सुविधा उपलब्ध है। । इस मौके पर प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अनीता मिड्ढा, जेडसीसी उषा शर्मा, सेक्रेटरी कुलविंदर कौर, आइएसओ सुमन गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट वीरेंद्र कौर आदि उपस्थित रहे।

नरेंद्र मोदी और कार्यकर्ता निर्माण: संगठन की असली ताकत

लेखक: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष

"संगठन की शक्ति वहीं खिलती है, जहाँ कार्यकर्ता तपस्वी बनकर खड़े होते हैं।" – यही दर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन यात्रा और उनके सामाजिक-संगठनिक दृष्टिकोण का मूल मंत्र रहा है। नरेंद्र मोदी ने हमेशा कार्यकर्ताओं को संगठन का हृदय माना और उन्हें तैयार करना, प्रशिक्षित करना और सशक्त बनाना अपने प्राथमिक कार्यों में रखा। उनका मानना था कि संगठन केवल ढाँचा नहीं है, बल्कि उस ढांचे में कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुशासन और समर्पण ही असली ताकत हैं।

नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक बने 1970 के शुरुआती दौर में। 1977 में आपातकाल के बाद, जब वे विभाग प्रचारक के रूप में एक कुशल संगठनकर्ता बनकर उभरे, तब उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता निर्माण रहा। 1980 के दशक में गुजरात में संगठन का विस्तार बहुत सीमित था। उस समय किसी एक तालुका में शाखा स्थापित करना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। लेकिन युवा नरेंद्र मोदी की दृष्टि अलग थी। उनका मानना था — "हर गाँव में शाखा होनी चाहिए।" इसके लिए वह हर शाखा की जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को देते और समय-समय पर उसकी प्रगति की जानकारी लेते। कौन मुख्य शिक्षक है, क्या गतिविधियाँ हुईं, कौन शाखा में अनुपस्थित रहा और क्यों—इन सब विवरणों पर बारीकी से ध्यान रखा जाता।

संघ के 60 वर्ष पूरे होने पर 1985 में कर्णावती (अहमदाबाद) में एक विशाल शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में लगभग 5000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। शिविर की पूर्व तैयारी में मोदी गाँव-गाँव जाकर युवाओं से संपर्क करते और उन्हें गणवेश खरीदने हेतु प्रेरित करते। परिणामस्वरूप, सैकड़ों नए युवा न केवल शिविर में पहुँचे बल्कि संगठन से स्थायी रूप से जुड़ भी गए। इसने गुजरात संघ में एक नई ऊर्जा डालने का काम किया, और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के निर्माण की भी शुरुआत हुई।

मोदी कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और व्यवस्थित रूप से काम करना सिखाते थे। उदाहरण के लिए, 1980 के दशक की शुरुआत में राजकोट के पी.डी. मालवीय कॉलेज में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेने वाले कार्यकर्ता अभी भी याद करते हैं कि उन्होंने स्थानीय लोगों से सर्वे कर संगठन की छवि समझने और परिणामों को सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का नया प्रयोग कराया। यह केवल सीख ही नहीं, बल्कि संगठन को मज़बूत बनाने के लिए आधुनिक तरीकों और योजनाबद्ध सोच का संदेश भी था।

नरेंद्र मोदी कार्यकर्ताओं को आचरण और शिष्टाचार के व्यावहारिक उदाहरणों से प्रेरित करते थे। छोटी आदतें, जैसे सुव्यवस्थित रहना, दरवाज़ा खटखटाकर प्रवेश करना, घरवालों का आत्मीयता से कुशल-क्षेम पूछना — यह सब उन्हें जिम्मेदार और सम्मानित कार्यकर्ता बनाते थे। उनके प्रशिक्षण से कार्यकर्ता न केवल संगठन के सदस्य बने, बल्कि समाज में आदर्श प्रतिनिधि भी बने। मोदी कठिन परिस्थितियों एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के समय कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को व्यक्तिगत नैतिक सहयोग दिया करते थे, जिसे अनेक कार्यकर्ता आज भी कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

1987 में भाजपा गुजरात के संगठन मंत्री बनकर उन्होंने यही कार्यकर्ता निर्माण राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए भी करने शुरू किया। 1980 के दशक में गुजरात भाजपा के संगठन पर्व के माध्यम से हजारों नए कार्यकर्ता संगठन से जुड़े।

अनुशासन और जवाबदेही मोदी की कार्यशैली का मूल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सबक दिया कि अनुशासन, समर्पण और जवाबदेही संगठन की मजबूती की नींव हैं। वे खुद बैठकों में एक मिनट भी देर नहीं करते थे, और अगर कोई देर से आता, तो उन्हें बाहर रहकर बैठक में भाग लेने को कहते थे।

मोदी ने संगठन में सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति दोनों में नई दिशा दी।

साहा इंडस्ट्रियल एरिया विस्तार की प्रक्रिया फिर होगी शुरू, 2600 एकड़ भूमि का होगा अधिग्रहण - ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। इसी क्रम में साहा इंडस्ट्रियल एरिया के साथ लगती लगभग 2600 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र ही पुनः प्रारंभ की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित भूमि पर नया इंडस्ट्रियल एरिया और लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, पास ही रेलवे द्वारा फ्रेट टर्मिनल बनाने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। इंडस्ट्रियल एरिया, लॉजिस्टिक पार्क और फ्रेट टर्मिनल एक साथ विकसित होने से न केवल उद्यमों को समग्र सुविधाएं उपलब्ध होंगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक ढांचा मजबूत होगा और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।

ऊर्जा मंत्री ने इस संबंध में अंबाला के उपायुक्त को मौके पर ही 2600 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पुनः शुरू करने के निर्देश दिए। श्री विज ने कहा कि चुनावों के कारण यह प्रक्रिया पूर्व में रुकी हुई थी, जिसे अब शीघ्र गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कई किसान इस भूमि को सरकार को देने के इच्छुक हैं और इसके लिए पूर्व में ई-भूमि पोर्टल पर आवेदन भी किए गए थे।

इस मौके पर उद्यमियों ने मंत्री से आग्रह किया कि यदि सरकार उन्हें साहा इंडस्ट्रियल एरिया के पास उद्योग स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराए तो वे अपने उद्योग स्थापित करने के लिए तैयार हैं। इस पर मंत्री ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उनके हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

उद्योगों को मिलेगी नई ऊर्जा

श्री विज ने कहा कि साहा में इंडस्ट्रियल एरिया, लॉजिस्टिक पार्क और फ्रेट टर्मिनल का आपसी तालमेल क्षेत्रीय उद्योगों के लिए वरदान साबित होगा। इससे उत्पादन, परिवहन और निर्यात संबंधी गतिविधियों को नई गति मिलेगी और निवेशकों को अत्यधिक सुविधा होगी।

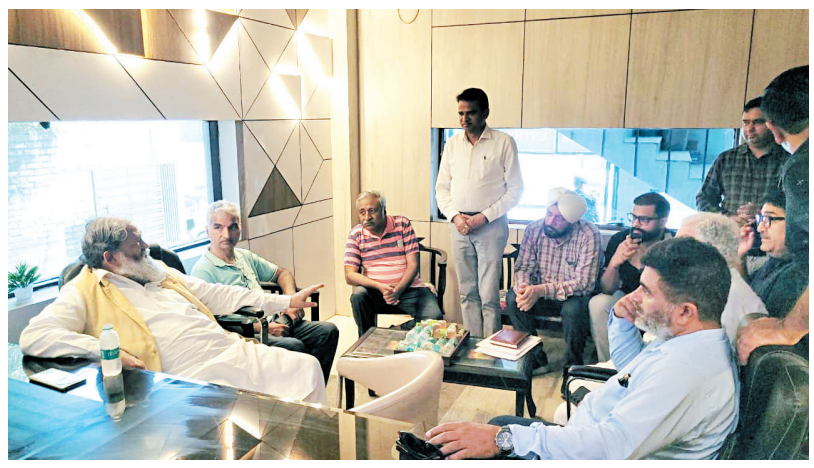

उद्योगपतियों ने मंत्री के प्रयासों की सराहना की

उद्यमियों ने बताया कि श्री अनिल विज के प्रयासों से इंडस्ट्रियल एरिया में विभिन्न विभागों द्वारा तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। हाल ही में मंत्री के निर्देश पर बड़ी संख्या में सफाई कर्मी, जनस्वास्थ्य विभाग की मशीनें, बिजली निगम के कर्मचारी तथा अन्य विभागों की टीमें लगातार कार्य कर रही हैं।

- **हरियाणा में औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति, साहा में इंडस्ट्रियल एरिया के साथ स्थापित होगा लॉजिस्टिक पार्क - अनिल विज**
- **अंबाला छावनी को मिलेगा बड़ा औद्योगिक हब, फ्रेट टर्मिनल भी निर्माणाधीन- विज**

मंत्री ने सफाई कर्मियों का उत्साह बढ़ाया

मौके पर पहुंचे श्री विज ने सफाई कर्मियों से सीधे संवाद किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि भारी बारिश और पानी जमाव से हुए नुकसान की भरपाई के लिए कर्मी जिस मेहनत और लगन से कार्य कर रहे हैं, वह सराहनीय है। इस दौरान उपस्थित सफाई कर्मियों ने "अनिल विज जिंदाबाद" के नारे भी लगाए।

बिजली और अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों से जानकारी ली कि अब तक 43 फैक्ट्रियों में बिजली आपूर्ति बहाल हो चुकी है और रविवार तक 95 प्रतिशत तक आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सांसद मनीष तिवारी ने पटियाला की राव के चलते हुए नुकसान को लेकर चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को चंडीगढ़ के गाँव डड्डूमाजरा और धनास में बाढ़ से हुए नुकसान के संबंध में एक पत्र लिखा है। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से हुए नुकसान की गिरदावरी कराने की मांग करने समेत समस्या का स्थायी समाधान भी बताया है।

तिवारी ने पत्र में लिखा है कि उन्हें हाल ही में चंडीगढ़ के डड्डूमाजरा और धनास दोनों गाँवों का दौरा करने का अवसर मिला, जो पटियाला की राव में आई बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पटियाला की राव के उस पार स्थित डड्डूमाजरा गाँव की ज़मीनें मिट्टी और प्रदूषित पानी के खेतों में घुसने से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

तिवारी ने ज़िक्र किया कि इस दौरान उन्हें चंडीगढ़ के पश्चिमी तट पर पटियाला की राव के एक सुंदर और सुव्यवस्थित स्थान बनने की संभावनाओं का विस्तार से अध्ययन करने का अवसर भी मिला।

जिसे लेकर उन्होंने कहा आप जानते ही हैं कि उन्होंने वर्ष 2019 से 2024 तक श्री आनंदपुर साहिब संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। इस दौरान, नयागाँव सहित चंडीगढ़ के आसपास का क्षेत्र उनके पुराने निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा था।

इसलिए, पटियाला की राव की वार्षिक बाढ़ का स्थायी समाधान संभव है, जिससे इसके दोनों किनारों पर रहने वाले लोगों को स्थायी राहत व सहायता मिल सकेगी। इस नाले की जल निकासी नयागाँव से डड्डूमाजरा पुल और उसके आगे तक उचित तरीके से की जा सकती है। इसी प्रकार, खरपतवार और झाड़ियों को भी साफ किया जा सकता है, व मलबा, वनस्पति और अन्य ठोस अपशिष्ट जैसी सभी बाधाओं को हटाकर इसके मार्ग को चौड़ा किया जा सकता है, जो वर्तमान में पटियाला की राव के मार्ग में बाधा डाल रहे हैं। इससे प्राकृतिक प्रवाह बहाल होगा।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पटियाला की राव जलमार्ग की जल-वहन क्षमता बढ़ाने के लिए नयागाँव से लेकर चंडीगढ़ क्षेत्र से नदी के निकलने वाले बिंदु तक गाद को हटाया जा सकता है। इसके लिए, जमा हुई सारी गाद और कीचड़ को हटाया जाना चाहिए व पानी के रास्ते में आने वाली रुकावटों को दूर करने के लिए रास्ते के तटबंधों को पक्का किया जाना चाहिए। इसके किनारों और ढलानों को मज़बूत किया जाना चाहिए। पटियाला की राव के दोनों किनारों पर सजावटी रोशनी के साथ सुंदर पैदल रास्ते विकसित किए जा सकते हैं।

इसके अलावा, धनास गाँव को पंजाब के तोगा गाँव से जोड़ने वाले पुल को ऊँचा किया जाना चाहिए, ताकि गांव वाले पंजाब की ओर नदी के दूसरे किनारे पर स्थित अपनी ज़मीनों तक पहुँच सकें। उन्होंने एक पीईआरटी चार्ट तैयार करने और उसे साझा करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया व इसकी प्रभावशीलता की निगरानी के लिए हर पखवाड़े पर प्रगति रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने पटियाला की राव की बाढ़ प्रभावित ज़मीन की तुरंत गिरदावरी करवाने की भी माँग की, ताकि किसानों को हुए नुकसान का मुआवज़ा मिल सके। इसके अलावा, डड्डूमाजरा के कूड़े के ढेर से रिसने वाले पानी के जमाव के कारण बने दलदल, जो धनास के निवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है, को प्रभावी ढंग से और बिना किसी देरी के निकाला जाना चाहिए।

संत सीचेवाल के नेतृत्व में धुस्सी बांध पर संगत और ड्रेनेज विभाग द्वारा नोचां बनाने का कार्य जारी

लोहियां खास/जालंधर- सतलुज नदी के धुस्सी बांध की क्षति से लोहियां क्षेत्र के गांवों को बचाने के लिए राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल के नेतृत्व में संगत और ड्रेनेज विभाग द्वारा नोचां बनाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

शाम तक गांव मंडाला छन्ना के पास संगत और ड्रेनेज विभाग द्वारा नोचां बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

हालांकि आज गिद्दड़पिंडी पुल के नीचे सतलुज नदी में केवल 23200 क्यूसिक पानी बह रहा है। इस संबंध में राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने बताया कि ड्रेनेज विभाग को मानसून आने से पहले नोचां को मजबूत करने और कुछ जगहों पर नई पुलिया बनाने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने बताया कि ज़्यादातर बांध दरियाओं का पानी बाहर निकलने से कारण नहीं टूटते, बल्कि जब जलस्तर कम होने लगता है, तो दरिया बांधों से ऊपर बहने लगती है, यानी नदी पीछे मुड़ने लगती है और ज़्यादा ख़तरनाक हो जाती है।

संत सीचेवाल ने बताया कि गांववासियों और संगत के सहयोग से बांध लगाने का काम दिन-रात जारी रहेगा। इसके अलावा, जिला प्रशासन के अधिकारी भी इस बांध पर पहुंचे और वे लगातार इसकी निगरानी भी कर रहे है। इसके अलावा, जिला प्रशासन के अधिकारी भी इस बांध पर पहुंचे और वह लगातार इसकी निगरानी भी कर रहे है।

पंचकूला भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में लिया भाग

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की विस्तृत प्रदेश कार्यसमिति बैठक का आयोजन आज करनाल स्थित डॉ. मंगल सेन सभागार में किया गया। इस बैठक में प्रदेशभर से महिला कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बैठक में पंचकूला से भाजपा पंचकूला से भाजपा जिलाध्यक्ष अजय मित्तल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष तजिंदर गुप्ता टोनी महिला मोर्चा की जिला संयोजक अनुराधा पुरी के नेतृत्व में भारी संख्या में महिलाएँ पहुँचीं। दो बसों में सवार कार्यकर्ताओं का दल पूरे जोश और उमंग के साथ करनाल पहुँचा और कार्यक्रम में शामिल हुआ।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, हरियाणा भाजपा प्रभारी सतपाल पुणिया, राज्य महासचिव (संगठन) फणिन्द्र नाथ शर्मा और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शनी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में वक्ताओं ने संगठन की मजबूती, महिला सशक्तिकरण और आने वाले चुनावों में महिला मोर्चा की सक्रिय भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। जिला अध्यक्ष अनुराधा पुरी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा महिला मोर्चा समाज के हर वर्ग की महिलाओं को जोड़ने और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति और उत्साह से भरे नारे लगाए। सभी ने संगठन को और अधिक मज़बूत करने तथा पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुँचाने का संकल्प लिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

ए आई एम एस मोहाली ने सीएमई "द फाइनल स्टिच" का आयोजन किया

हिन्द जनपथ
एसएएस नगर(ब्यूरो)। ए आई एम एस मोहाली के सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने 13 से 14 सितंबर 2025 तक 'द फाइनल स्टिच' नामक एक अत्यंत प्रभावशाली दो दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें स्नातक (एमबीबीएस) और स्नातकोत्तर (एमएस सर्जरी) के छात्र शामिल थे, जिन्होंने बड़े उत्साह के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

सीएमई का उद्घाटन ए आई एम एस मोहाली की निदेशक, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) भवनीत भारती ने किया, जिन्होंने अपने स्वागत भाषण में, एक ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए शल्य चिकित्सा विभाग की सराहना की, जिसमें संरचित केस-आधारित चर्चाओं और परीक्षकों के दृष्टिकोण का अनूठा मिश्रण था। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे प्लेटफॉर्म छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाकर, नैदानिक तर्क को प्रखर बनाकर और उन्हें रोगी-केंद्रित देखभाल से जोड़कर, परीक्षाओं के साथ-साथ वास्तविक दुनिया की शल्य चिकित्सा पद्धति के लिए तैयार करने में अमूल्य हैं।

शैक्षणिक कार्यवाही में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शल्य चिकित्सा विशेषज्ञों और परीक्षकों की एक बड़ी संख्या उपस्थित थी, जिनमें डॉ. पवनिंद्र लाल (पूर्व विभागाध्यक्ष, एमएएमसी नई दिल्ली),

डॉ. ए.के. अत्री (पूर्व निदेशक, जीएमसीएच-32), डॉ. राजीव कपूर, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. दर्शनजीत सिंह वालिया, डॉ. परवेज़ डेविड हक, डॉ. अमित महाजन, डॉ. लक्ष्मी अग्निहोत्री और डॉ. नवल बंसल शामिल थे।

इन दिग्गजों ने इंटरैक्टिव केस-आधारित चर्चाओं, व्यावहारिक शल्य चिकित्सा तर्क और परीक्षक अंतर्दृष्टि के माध्यम से अपने ज्ञान को साझा किया।

इस कार्यक्रम की संकल्पना और क्रियान्वयन ए आई एम एस मोहाली के जनरल सर्जरी विभाग के नेतृत्व में किया गया, जिसमें डॉ. नवदीप सिंह सैनी (सर्जरी के प्रोफेसर और चिकित्सा अधीक्षक और डॉ. विवेक पाहुजा (एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष) प्रमुख थे, और एक प्रतिबद्ध संकाय दल ने इसका समर्थन किया, जिनके प्रयासों ने कार्यक्रम की शैक्षणिक समृद्धि और त्रुटिहीन संगठन सुनिश्चित किया।

दो दिनों की अवधि में, सीएमई ने एक व्यापक शैक्षणिक अनुभव प्रदान किया जिसमें मुख्य परीक्षा विषयों पर नैदानिक शल्य चिकित्सा मामलों की प्रस्तुतियाँ, विशेषज्ञ व्याख्यान, पोस्टर प्रस्तुतियाँ (पीजी छात्र), एक जीवंत शल्य चिकित्सा प्रश्नोत्तरी (एमबीबीएस छात्र) और दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए हाइब्रिड भागीदारी शामिल थी।

छात्रों ने इस अनुभव को परीक्षकों के समक्ष प्रस्तुत करने, प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त करने और नैदानिक परीक्षा और तर्क के विभिन्न तरीकों को देखने का एक दुर्लभ अवसर बताया। कई छात्रों ने कहा कि इस कार्यक्रम ने न केवल उनकी परीक्षा की तैयारी को बढ़ाया, बल्कि शल्य चिकित्सा अभ्यास के उनके दृष्टिकोण को भी व्यापक बनाया।

क्षमावाणी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में आज क्षमावाणी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्यपाल जैन मुख्य अतिथि व एडवोकेट अजय जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के उपरांत जयपुर से पधारे विपिन जैन ने पक्षी मुक्ति पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने पक्षियों की स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को कभी किसी पक्षी को पिंजरे में नहीं रखने का प्रण दिलवाया।

सत्यपाल जैन ने क्षमावाणी पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर संबोधन देते हुए कहा कि क्षमा केवल शब्द नहीं, बल्कि आत्मा की महानता है। क्षमा ही आत्मा का आभूषण है और इसी के माध्यम से हम वैर, द्वेष और अहंकार से मुक्ति पा सकते हैं।

मंदिर समिति के सभी सदस्य धर्म बहादुर जैन, एडवोकेट आदर्श जैन, संत कुमार जैन, एडवोकेट राजा बहादुर सिंह जैन, आशीष जैन, शरद जैन, नीरज जैन, करुण जैन, रमेश जैन, इन्दर मल जैन, डॉ आशीष जैन, दामोदर दास जैन, कैलाश जैन, पंचकूला दिगम्बर जैन समाज से किशोरी लाल जैन, प्रदीप जैन इस पावन अवसर पर उपस्थित रहे।

समाज में अच्छे कार्य की सराहना जरूरी, समाज को सेवा करने की प्रेरणा मिलती हैं - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि समाज में अच्छा काम करने वालों की सराहना करना अति आवश्यक है क्योंकि ऐसे मददगार लोगों को प्रोत्साहन मिलता है और दूसरों को भी समाज सेवा करने के लिए प्रेरणा मिलती हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए श्री विज ने कहा कि आज अम्बाला के योद्धाओं, जिनमें चिकित्सकों के साथ-साथ अन्य शामिल है, उन्हें सम्मान देने के लिए आयोजन किया जा रहा है उसके लिए वे मीडिया हाउस के पदाधिकारियों को सेल्यूट करते हैं।

श्री विज ने यह अभिव्यक्ति अंबाला के किंगफिशर पर्यटक स्थल में आयोजित उत्कृष्ट सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप शिखा प्रज्वलित करके किया गया। इस मौके पर उनके साथ मेयर शैलजा सचदेवा भी मौजूद रहीं।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि बहुत सारे दुनिया में ऐसे लोग होते हैं जो व्यवसाय करने के साथ-साथ समाज को रास्ता दिखाने का, समाज का भला करने का, समाज का कल्याण करने का काम करते है। यह समूह भी इसी कड़ी में शामिल हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि किसी भी कार्यक्रम की शुरूआत दीपक प्रज्वलित करके होती है। दीपक जलने का अर्थ यह बताता है कि रोशनी करने के लिए इसकी बाती को जलना पड़ता है और तब तक दीए में तेल होता है, यहीं जीवन का सार है। इसका मतलब यह है कि हमें समाज सेवा क्षेत्र में निःस्वार्थ कार्य करके जरूरमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

हिन्दी हमारी मातृभाषा - हिन्दी पढ़ने से अपनेपन का भाव, संस्कार और संस्कृति की अनुभूति होती हैं - अनिल विज

श्री विज ने इस मौके पर यह भी कहा कि हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना काफी सराहनीय है। हिन्दी हमारी मातृभाषा है, हिन्दी पढ़ने से अपनेपन का भाव आता है, हिन्दी पढ़ने से संस्कार आते और हिन्दी पढ़ने से संस्कृति की अनुभूति होती हैं। उन्होनें अंग्रेजी भाषा को चुराई भाषा बताते हुए कहा कि अंग्रेजी भाषा को अपना स्टेटस सिंबल मानते है और यह भी कहा जाता है कि अंग्रेजी भाषा पढ़कर सब कुछ सीखा जा सकता है लेकिन यह वास्तविकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जितने भी देश आज तरक्की कर रहें, वे सब अपनी भाषा को पढ़कर ही आगे बढ़े है। उन्होंने फ्रांस, चाईना, जर्मनी, जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने अपनी भाषा का इस्तेमाल किया और आज यह देश तरक्की के मार्ग पर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि पहले हम गुरूकुल में शिक्षा ग्रहण करते थे, वहां पर शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी ग्रहण करते थे, लेकिन आज की जो शिक्षा है वे किताबी ज्ञान है। उन्होनें मंच के माध्यम से यह भी कहा कि जब जर्मन के डॉक्टर जर्मनी भाषा पढ़कर ऑप्रेशन कर सकते है, फ्रांस के इंजीनियर जहाज बना सकते है तो हमारी इंजीनियरिंग व मेडिकल की किताबे हिन्दी में क्यों न लिखी जाए। हम भी अपनी मातृ भाषा हिन्दी को भी पढक़र आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने मीडिया हाउस समूह द्वारा समाज में अच्छा कार्य करने वाले चिकित्सकगणों के साथ-साथ पिछले दिनों जलभराव के समय जरूरतमंद लोगों की सेवा करने वाले लोगों को सम्मानित करने के लिए आज आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित भी किया।